देश का Darpan News TV
FASTWAY
Comming Soon
काम करने के लिए सम्पर्क करें

दैनिक समाचार पत्र

देश का दर्पण न्यूज

राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली व महाराष्ट्र से प्रकाशित

अब आपके मोबाइल पर डिजिटल अख़बार
प्रदेश के ताजा समाचार
अपने लेख एवं समचार भेंजे

सम्पादक : उमेन्द्र राजपूत
7014997449, 9636058201
Email : deshkadarpannews@gmail.com
web.: www.deshkadarpannews.co

वर्ष-4, अंक-218 | जयपुर, रविवार 02 अगस्त, 2026 | मूल्य : 5.00 पेज:

पीएम ने आंध्र प्रदेश को दी 17,900 करोड़ रुपये की सौगात

प्रधानमंत्री ने इससे पहले भोगापुरम स्थित अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के यात्री टर्मिनल का निरीक्षण किया

भोगापुरम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के भोगापुरम में 17,900 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने इससे पहले भोगापुरम स्थित अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के यात्री टर्मिनल का निरीक्षण किया। इसके बाद सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत 5,640 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित इस ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन किया और भोगपुरम में 17,900 करोड़ रुपये से अधिक की अनेक विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उन्हें राष्ट्र को समर्पित किया। 60 लाख यात्रियों की वार्षिक क्षमता वाले इस हवाई अड्डे में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), बायोमेट्रिक यात्री प्रसंस्करण, स्वचालित बैगेज प्रणाली और एयरपोर्ट प्रेडिक्टिव ऑपरेशंस सेंटर जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग किया गया है। इसका स्थापत्य आंध्र प्रदेश की पारंपरिक चुट्टिलु झोपड़ियों, अराकू घाटी और उड़ने वाली मछली से प्रेरित है। प्रधानमंत्री ने विशाखापत्तनम में

विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास किया

भोगापुरम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले के भोगापुरम में 17,900 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए कहा कि नया अल्लूरी सीताराम राजू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा केवल एक एयरपोर्ट नहीं बल्कि उत्तर आंध्र के विकास का रनवे और राज्य के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का लॉन्चपैड है।

अक्षय ऊर्जा क्षेत्र (आरईजेड) फेज-1 ट्रांसमिशन प्रणाली की आधारशिला रखी

प्रधानमंत्री ने लगभग 5,550 करोड़ रुपये की लागत वाली कुरनूल-4 अक्षय ऊर्जा क्षेत्र (आरईजेड) फेज-1 ट्रांसमिशन प्रणाली की आधारशिला रखी। उन्होंने लगभग 3,550 करोड़ रुपये और 820 करोड़ रुपये की लागत से तैयार विभिन्न विद्युत पारेषण परियोजनाओं का उद्घाटन भी किया। इन परियोजनाओं से कुरनूल और अनंतपुर के अक्षय ऊर्जा क्षेत्रों से उत्पादित बिजली का राष्ट्रीय ग्रिड के माध्यम से देशभर में बेहतर वितरण संभव होगा।

आज का दिन आंध्र प्रदेश के विकास और स्वर्ण आंध्र के विजन को साकार करने की दिशा में बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि करीब 18 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं राज्य की सड़क, हवाई और ऊर्जा अवसंरचना को नई मजबूती देंगी तथा तेज विकास का आधार बनेंगे। उन्होंने इन परियोजनाओं के लिए राज्य के लोगों को बधाई दी। अपने संबोधन की शुरूआत में प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का कार्यक्रम विकास के साथ-साथ संस्कृति के लिहाज से भी ऐतिहासिक रहा।

460 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली आंध्र प्रदेश की पहली सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाई की आधारशिला भी रखी। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत स्वीकृत यह परियोजना एएसआईपी टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड और दक्षिण कोरिया की एपीएसीटी के सहयोग से विकसित की जा रही है।

इस संयंत्र में प्रतिवर्ष लगभग 9.6 करोड़ सेमीकंडक्टर चिप्स का उत्पादन होगा और उच्च कौशल वाले रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

पीएम मोदी ने किया 'विवेक स्मारक' का उद्घाटन

मैसूर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा सर्वप्रथम मैं मैसूर की अधिष्ठात्री देवी मां चामुंडेश्वरी को प्रणाम करता हूं। अभी दो दिन पहले ही हम सभी ने गुरु पूर्णिमा भी मनाई है। आप सब जानते हैं, मेरी यात्रा जहां से शुरू हुई और आज मैं जहां हूं, इसमें रामकृष्ण मिशन का बहुत अहम योगदान है। मैं तीन महीने पहले हावड़ा में बेलूर मठ गया था। सभी पूज्य संतों से सत्संग करने का अवसर मिला था। मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे फिर मैसूर में रामकृष्ण आश्रम से जुड़े संतों से, मेरे गुरु भाइयों से मिलने का, आशीर्वाद लेने का अवसर मिला है। आप सभी की उपस्थिति की वजह से, आज मैसूर की इस पवित्र भूमि पर, मुझे एक अलग ही ऊर्जा अनुभव हो रही है। यह शहर भारत की अनादि सांस्कृतिक चेतना का केंद्र रहा है। यहां के मंदिर, यहां की परंपराएं और उत्सव, मैसूर का दशहरा, यहां के भव्य महल, इसका संगीत और साहित्य, भारत की विरासत इस शहर के कण-कण में रची-बसी है और यह देखकर बहुत संतोष मिलता है कि शहर ने इस विरासत को उसी कुशलता से सहेजा भी है, संवारा भी

व्यक्ति से विभूति का निर्माण एकाएक नहीं: प्रधानमंत्री मंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कुछ देर पहले मैं उस ऐतिहासिक भवन में भी गया था जहां स्वामी विवेकानंद जी ने अपने प्रवास के दौरान कुछ समय बिताया था। कर्नाटक के कितने ही विद्वान और मनीषी इस स्थान से जुड़े रहे हैं।

राष्ट्रकवि कुवेंपु जैसे महापुरुष जब मैसूर में थे उनका भी रामकृष्ण आश्रम से गहरा जुड़ाव था। आज स्वामी विवेकानंद कल्चरल यूथ सेंटर यानी विवेकासमारका के उद्घाटन के जरिए हम इस मिशन को नया विस्तार दे रहे हैं।

व्यक्ति से विभूति का निर्माण एकाएक नहीं होता। इसके लिए हमें जीवन की अनगिनत परीक्षाएं देनी होती हैं, साधना करनी होती है, तप करना होता है, खुद को तपाना पड़ता है, खपाना पड़ता है। ख्याति के बाद तो संसार पीछे खड़ा होता है। लेकिन तप के समय महान विभूतियों को पहचानना आसान नहीं होता। जो साधक को तपस्या में पहचानता है, वो उसकी सिद्धि का सहभागी भी होता है।

'आजादी का मतलब मनमानी नहीं': युवाओं से बोले अजित डोभाल- राष्ट्रहित को पहले रखें

पुणे

देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को शनिवार को पुणे में लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2026 से सम्मानित किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया। इस मौके पर अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति को मजबूत बनाने में अजीत डोभाल की अहम भूमिका रही है। वहीं, पुरस्कार ग्रहण करने के बाद डोभाल ने देश के युवाओं से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने और निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर देश निर्माण में योगदान देने की अपील की।

युवाओं से राष्ट्रहित को सर्वोच्च रखने की अपील

इस दौरान पुरस्कार स्वीकार करते हुए एनएसए अजीत डोभाल ने कहा कि वह इस सम्मान को विनम्रता के साथ स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने युवाओं से कहा कि वे अपने जीवन का लक्ष्य केवल राष्ट्रहित रखें और छोटे-छोटे व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठें। उन्होंने कहा, 'आज के युवाओं को यह संकल्प लेना चाहिए कि वे केवल देश के हित में काम करेंगे। यदि कभी निजी हित और राष्ट्रहित के बीच चुनाव करना पड़े, तो वे राष्ट्रहित को प्राथमिकता दें'।

'भारत के पास सुनहरा अवसर, इसे गंवाना नहीं चाहिए'

अजित डोभाल ने कहा कि भारत इस समय अपने इतिहास के बेहद महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि देश के सामने विकास और राष्ट्र निर्माण का एक बड़ा अवसर है और इसे किसी भी कीमत पर नहीं गंवाना चाहिए।

ई20 फ्यूल से दोपहिया वाहन खराब हो रहे: अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को कहा, पेट्रोल पंपों पर ग्राहकों को शुद्ध पेट्रोल और ई 20 के बीच चुनने का विकल्प दिया जाए। अगर ये मांग नहीं मानी जाती है तो 4 अगस्त को पीएम आवास तक मार्च निकाला जाएगा।' यह बात केजरीवाल ने ई20 फ्यूल के मुद्दे पर बुलाई नेशनल टाउन हॉल में कही। उन्होंने बताया कि वे 3 अगस्त की दोपहर तक याचिकाएं इकट्ठा करेंगे। इसके बाद करीब 100 लोगों के साथ पीएम आवास तक विरोध प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर इथेनॉल फायदेमंद नहीं है, तो इसे बढ़ावा क्यों दिया जा रहा है। सरकार नागरिकों पर इसे क्यों थोप रही है।

केजरीवाल बोले- इथेनॉल पेट्रोल से महंगा

'इथेनॉल बनाने वाले प्लांट के आस-पास के इलाकों में जमीन के नीचे का पानी प्रदूषित हो जाता है। मेरी सरकार से अपील है कि वह उस रिपोर्ट को सार्वजनिक करे, जिसका हवाला देकर सरकार ने दावा किया था कि ई20 से वाहनों को कोई नुकसान नहीं होता है। नेशनल टाउन हॉल में कई राज्यों के लोग शामिल हुए। उन्होंने ए20 के इस्तेमाल को लेकर अपने अनुभव और समस्याओं के बारे में बताया जिनका सामना उन्हें अपने वाहनों के साथ करना पड़ रहा है।

ई-20 फ्यूल से कार का एवरेज 14-15 से 8-9 किमी रह गया

टाउन हॉल में 12 साल से मैकेनिक का काम कर रहे आमिर खान ने कहा कि ई-20 फ्यूल से दोपहिया वाहन खराब हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि अगर आप ने ई-20 फ्यूल लिया और वाहन 15-20 दिन कहीं पार्क कर दिया तो फ्यूल पंप चोक होने से इंजन स्टार्ट होगा हैं। रिजर्व टैंक में काई जम जाती है। ओडिशा के रहने वाले युवा स्वप्निल ने बताया कि से ई-20 फ्यूल से उसकी कार का एवरेज 14-15 से 8-9 किलोमीटर प्रतिलीटर रह गया। साथ ही बताया कि ओडिशा में किसान ही इथेनॉलप्लांट का विरोध कर रहे हैं। वहां इथेनॉल प्लांट के कारण मछलियां मर रही हैं।

पेट्रोलियम मंत्रालय -ग्राहकों को प्रति लीटर करीब 30 की बचत हुई

पेट्रोलियम मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि ग्लोबल क्रूड ऑयल संकट के पीक पर होने के दौरान, ए20 पेट्रोल के इस्तेमाल से ग्राहकों को प्रति लीटर करीब ?30 की बचत हुई। अगर तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल में इथेनॉल नहीं मिलाया होता, तो दिल्ली में पेट्रोल की कीमतें 125 प्रति लीटर तक पहुंच सकती थीं।

भारत में क्यों हो रहा है ई-20 पेट्रोल का विरोध?

भारत में 20% एथेनॉल और 80% पेट्रोल के इस मिश्रण (ई-20) का विरोध हो रहा है। खासकर 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं। उनका दावा है कि इस फ्यूल से गाड़ियों का माइलेज कम हो रहा है, मेंटेनेंस का खर्च बढ़ गया है। इंजन के पार्ट्स जल्दी खराब हो रहे हैं।

भारत ने ग्लास्गो में 30 मिनट में जीते दो स्वर्ण, प्रीति-जैस्मिन ने दिखाया दमखम

नई दिल्ली।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शनिवार को भारतीय महिला मुक्केबाजों ने महज 30 मिनट में दो स्वर्ण पदक जीते।

प्रीति पवार के बाद जैस्मिन लंबोरिया ने 'गोल्डन पंच' लगाए। साढ़े चार बजे खेलने उतरीं प्रीति ने महिलाओं की 54 किलोग्राम प्रतियोगिता में कनाडा की स्कार्लेट सवाना डेलगाडो के खिलाफ 5-0 से फाइनल बाउट जीती। वहीं, इसके 15 मिनट बाद रिंग में उतरते हुए जैस्मिन ने महिलाओं के 57 किलोग्राम भार वर्ग में नॉर्दन आयरलैंड की मिकेला वॉल्श को 5-0 से शिकस्त देकर खिताब अपने नाम किया।

प्रीति ने डेलगाडो को 5-0 से हराया

एसईसी हॉल-5 में दिन के पहले मुकाबले में भारत की प्रीति ने इंग्लैंड की स्कार्लेट सवाना डेलगाडो के खिलाफ 5-0 से जीत हासिल की। पहले राउंड में सभी पांच जजों ने प्रीति के पक्ष में 10-10 अंक दिए। इसके बाद दूसरे राउंड में एक बार फिर प्रीति ने सभी जजों से पूरे अंक हासिल किए। दूसरे राउंड तक प्रीति इंग्लैंड की मुक्केबाज के खिलाफ काफी हावी नजर आ रही थीं। एक ओर प्रीत के हर एक पंच में दम दिख रहा था, तो दूसरी तरफ डेलगाडो के पंच सही लैंड नहीं हो रहे थे। तीसरे राउंड में प्रीति ने इंग्लैंड की मुक्केबाज को थकाने की पूरी कोशिश की, क्योंकि शुरूआती दो राउंड में उन्होंने बड़ा फासला हासिल कर लिया था।

मुख्यमंत्री ने अरुणोदय 3.0 का किया शुभारंभ, 37 लाख से अधिक महिलाओं को मिलेगा लाभ

गुवाहाटी

असम की भाजपानीत गठबंधन सरकार के तीसरे कार्यकाल में भी सरकार की महिलाओं के लिए चलाई जा रही अरुणोदय योजना के तीसरे संस्करण का शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने शुभारंभ किया। गुवाहाटी के पांजाबारी स्थित दामोदरदेव इंटरनेशनल ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि आज हमने 'अरुणोदय 3.0' के तहत 37 लाख से अधिक महिलाओं को मासिक आर्थिक सहायता फिर से शुरू की है।

यह हमारे बजट की पहली घोषणा थी जिसे लागू किया गया और मई में जनता का जनादेश मिलने के बाद शुरू की गई यह पहली योजना है।

इस चरण में, हमने लाभार्थियों को ज्यादा सुविधा और विकल्प देकर 'अरुणोदय' के ढांचे को और मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि हमने आधार-आधारित लाभार्थी सत्यापन शुरू किया है ताकि यह पक्का किया जा सके कि सहायता सिर्फ असली लाभार्थियों तक पहुंचे और डुप्लीकेशन (एक ही व्यक्ति का कई बार लाभ लेना) को खत्म किया जा सके।

जुलाई में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन में 15.40 प्रतिशत की बढ़ोतरी, 2.11 लाख करोड़ से अधिक कलेक्शन

नई दिल्ली

जुलाई के महीने में गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) का कलेक्शन वार्षिक आधार पर 15.40 प्रतिशत बढ़ कर 2.11 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर गया। मौजूदा वित्त वर्ष 2026-27 में दूसरी बार ग्रॉस गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स कलेक्शन दो लाख करोड़ रुपये के स्तर से अधिक हुआ है। इसके पहले अप्रैल के महीने में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन लगभग 2.43 लाख करोड़ रुपये हुआ था, जो अभी तक जीएसटी कलेक्शन का ऑल टाइम हाई रिकॉर्ड है। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार पिछले साल जुलाई के महीने में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन

1.83 लाख करोड़ रुपये रहा था। इसी तरह साल 2026 में जुलाई के पूर्ववर्ती महीने की बात की जाए तो जून 2026 में ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 1.95 लाख करोड रुपये का था। इस तरह जुलाई 2026 में वार्षिक और मासिक दोनों आधार पर ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन में बढ़ोतरी हुई है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार जुलाई 2026 में इंपोर्ट के मद में जीएसटी कलेक्शन 28.80 प्रतिशत की बढ़त के साथ 66,511 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। डोमेस्टिक ट्रांजेक्शन से होने वाला जीएसटी कलेक्शन भी 10.10 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1.45 लाख के स्तर पर पहुंच गया।

ईएसआईसी में बड़ा बदलाव लाएगी सरकार : डॉ. मनसुख मांडविया

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा कि सरकार कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) में बड़ा बदलाव करते हुए बेहतर निजी अस्पतालों को इसके लिए नामित करने की तैयारी कर रही है। इस दिशा में हितधारकों की ओर से दिए जाने वाले सभी सुझावों पर सरकार गंभीरता से विचार करेगी। डॉ. मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को नई दिल्ली में चौथे ग्लोबल इंडस्ट्रियल रिलेशंस समिट को संबोधित करते हुए कहा कि हम ईएसआईसी में बड़ा परिवर्तन लाने जा रहे हैं।

यह समिट अखिल भारतीय नियोक्ता संगठन (एआईओई) ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) और आईएलओ के साथ मिलकर आयोजित की है।

कमर्शियल गैस सिलेंडर के भाव में कटौती की गई

नई दिल्ली

सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने आज गैस उपभोक्ताओं को राहत देते हुए 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर को सस्ता कर दिया। दूसरी ओर, हवाई यात्रियों पर महंगाई का बोझ डालते हुए एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) यानी जेट फ्यूल की कीमत में बढ़ोतरी कर दी। इन दोनों उत्पादों के अलावा अन्य किसी भी पेट्रोलियम उत्पादों की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है। एलपीजी गैस के मामले में भी सिर्फ कमर्शियल गैस सिलेंडर के भाव में कटौती की गई है, घरेलू उपयोग में आने वाले 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर (रसोई गैस) के भाव में कोई बदलाव नहीं किया गया है। अगस्त के पहले दिन देश की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 19 किलोग्राम वजन वाले

कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में कटौती कर दी है। इस कटौती के बाद आज से देश के अलग-अलग राज्यों में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर 192 रुपये से लेकर 209 रुपये तक सस्ता हो गया है। कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में सबसे कम 192 रुपये की कटौती दिल्ली में की गई है, जबकि कोलकाता में सबसे अधिक 209 रुपये की कटौती हुई है। ऑयल मार्केटिंग कंपनी के अनुसार, कीमत में की गई कटौती के बाद दिल्ली में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर 192 रुपये सस्ता होकर 2,930 रुपये की जगह 2,738 रुपये के भाव पर मिलने लगा है। इसी तरह मुंबई में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर 194 रुपये सस्ता होकर 2,885.50 की जगह 2,691.50 रुपये के भाव पर मिल रहा है। कोलकाता में कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में 209 रुपये की कटौती हुई है। कोलकाता में आज से 19 किलोग्राम वाला एलपीजी गैस सिलेंडर 3,081.50 रुपये की जगह 2,872.50 रुपये के भाव पर मिल रहा है। इसके अलावा चेन्नई में कमर्शियल गैस सिलेंडर 200 रुपये सस्ता होकर 3,106 रुपये की जगह 2,906 रुपये के स्तर पर आ गया है। दिल्ली से सटे एनसीआर रीजन की बात करें तो नोएडा में कमर्शियल गैस सिलेंडर 192 रुपये सस्ता होकर 2,930 रुपये की जगह 2,738 रुपये की कीमत पर मिल रहा है, जबकि गुरुग्राम में 19 किलोग्राम वाला एलपीजी गैस सिलेंडर 192.50 रुपये सस्ता होकर 2,947.50 रुपये की जगह 2,755 रुपये के भाव पर मिल रहा है।

धामी क्षेत्र में सड़क, पेयजल और बिजली सुधार पर सरकार का फोकस - विक्रमादित्य सिंह लोक निर्माण मंत्री ने धामी के मिनी सचिवालय में आयोजित जन शिकायत निवारण कार्यक्रम की अध्यक्षता की

शिमला : (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा,)
धामी क्षेत्र में सड़क, पेयजल और बिजली सुधार पर सरकार का फोकस - विक्रमादित्य सिंह
लोक निर्माण मंत्री ने धामी के मिनी सचिवालय में आयोजित जन शिकायत निवारण कार्यक्रम की अध्यक्षता की
संबंधित अधिकारियों के सहयोग से 67 में से 28 समस्याओं का किया मौके पर ही समाधान सुनिश्चित
लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने शनिवार को शिमला ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत धामी स्थित मिनी सचिवालय में आयोजित जन शिकायत निवारण कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में विभिन्न पंचायतों एवं स्थानीय लोगों की ओर से कुल 67 समस्याएं और मांगें मंत्री के समक्ष रखी गईं, जिनमें से 28 का संबंधित विभागों के अधिकारियों के सहयोग से मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया गया। शेष मामलों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए।

स्थानीय ग्राम पंचायत हलोग धामी की प्रधान प्रीति शर्मा सहित बठवाना-जाबरी पंचायत प्रधान ज्योति शर्मा, ओखरू पंचायत प्रधान आशा देवी, पीपलीधार पंचायत प्रधान योगराज, माइली-जेजवीं पंचायत प्रधान सीता देवी तथा घडल पंचायत प्रधान गायत्री देवी ने भी अपनी-अपनी पंचायतों से संबंधित समस्याएं एवं मांगे मंत्री के समक्ष रखी। इसके अतिरिक्त स्थानीय लोगों, महिला मंडलोझयुवक मंडल सदस्यों ने भी मंत्री के समक्ष अपनी-अपनी समस्याएं रखी, जिसका मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने चरणबद्ध तरीके से समाधान करने का आश्वासन दिया।
मंत्री ने बताया कि लोक निर्माण विभाग के धामी-हलोग उपमंडल की सभी पंचायतों के समग्र विकास के लिए प्रदेश सरकार ने लगभग 51 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। इस राशि से सड़क निर्माण, पेयजल व्यवस्था, कम वोल्टेज की समस्या के समाधान तथा पंचायत क्षेत्रों के अन्य विकास कार्य किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि धामी पंचायत के विकास के लिए विधायक निधि एवं जन सहयोग से अब तक लगभग 43 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 14 लाख रुपये अभी तक खर्च नहीं हो पाए हैं। इसी प्रकार बठवाना-जाबरी पंचायत में 10 लाख रुपये, ओखरू पंचायत में 17 लाख रुपये, पीपलीधार पंचायत में 9 लाख रुपये तथा माइली-जेजवीं पंचायत में 17 लाख रुपये की स्वीकृत राशि अभी व्यय नहीं हुई है। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से इन निधियों का शीघ्र उपयोग सुनिश्चित करने का आग्रह किया, ताकि सभी पंचायतों का समान विकास हो सके।
विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि पंचायतों द्वारा निर्मित कई सड़कें विभागीय गुणवत्ता मानकों पर खरी नहीं उतरतीं। इसे देखते हुए लोक निर्माण विभाग नई नीति तैयार कर रहा है, जिससे भविष्य में पंचायतों द्वारा निर्मित सड़कें भी निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप हों।
उन्होंने बताया कि विधायक प्राथमिकता के तहत कठाना सड़क का निर्माण लगभग 10 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। गलोग-नेहरा सड़क की डीपीआर अंतिम चरण में है, जबकि धामी-कांगनी संपर्क मार्ग का निर्माण प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत जारी है। बरसात से प्रभावित क्षेत्रों में घरों के समीप गिरे डंगों के स्थान पर आवश्यकतानुसार क्रेट वॉल का निर्माण किया जाएगा।

प्रधानमंत्री 2 अगस्त को वर्चुअल भाषण देंगे

बठिंडा, : (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा,) भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय, माई युवा भारत (माई इंडिया) के नेशनल इनिशिएटिव ह्यनशा मुक्ति युवा फॉर डेवलप्ड इंडिया संकल्प अभियानह्ल के तहत, बठिंडा जिले के युवा 2 अगस्त, 2026 (रविवार) को प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल भाषण सुनेंगे।
इस प्रोग्राम का मकसद युवाओं को ड्रग्स के खिलाफ बड़े आंदोलन से जोड़ना और उन्हें हेल्दी, जिम्मेदार और ड्रग-फ्री लाइफस्टाइल अपनाने के लिए मोटिवेट करना है।
प्रोग्राम के दौरान, युवा मिलकर ह्यनशा मुक्ति प्रणह्ल लेंगे और ड्रग्स से दूर रहने का संकल्प लेंगे, साथ ही अपने परिवार, आस-पड़ोस और समाज में ड्रग-फ्री रहने का मैसेज फैलाएंगे।
जिला यूथ ऑफिसर मीशा ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा युवाओं को इस कैंपेन से जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, यह सिर्फ.एक प्रोग्राम नहीं, बल्कि एक मास मूवमेंट है। इस कैंपेन के तहत, मेरा भारत पोर्टल myb-harat.gov.in पर एक ई-प्राण कैंपेन पहले से ही चल रहा है, जिसके जरिए ज़िले के नागरिक, खासकर युवा, नशा-मुक्त भारत बनाने के लिए अपना कमिटमेंट दोहरा सकते हैं।
उन्होंने कहा कि इस कैंपेन के तहत, ज़िला लेवल पर लोकगीत, रील/शॉर्ट फि ल्में, पेंटिंग और स्लोगन राइटिंग जैसी अलग-अलग कैटेगरी में कॉम्पिटिशन भी ऑर्गनाइज किए जा रहे हैं। ज्यादा जानकारी के लिए, युवा mybharat.gov.in पर जा सकते हैं या डिस्ट्रिक्ट ऑफि स, मेरा युवा भारत केंद्र, हाउस नंबर 70, गली नंबर 13/5, बैंक कॉलोनी, बरनाला बाईपास, बठिंडा में कॉन्टैक्ट कर सकते हैं।

जनगणना-2027: दक्षिण 24 परगना में स्व-जनगणना सहायता केंद्र शुरू, जागरूकता रथ रवाना

रमेश राय अलीपुर: जनगणना-2027 के तहत 1 से 15 अगस्त 2026 तक चलने वाले स्व-जनगणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) चरण को सफल बनाने के लिए दक्षिण 24 परगना के जिलाधिकारी एवं प्रधान जनगणना अधिकारी ने शुक्रवार को जिला समाहरणालय परिसर में स्व-जनगणना प्रदर्शन केंद्र-सह-सहायता डेस्क का उद्घाटन किया।

इस केंद्र का उद्देश्य नागरिकों को स्व-जनगणना प्रक्रिया की जानकारी देना, पोर्टल पर जानकारी दर्ज करने में सहायता करना तथा उनकी शंकाओं का समाधान करना है। उद्घाटन समारोह में अतिरिक्त जिलाधिकारी, जनगणना प्रभारी अधिकारी सहित अन्य जिला अधिकारी उपस्थित रहे।
उद्घाटन के बाद जिलाधिकारी ने जनगणना जागरूकता झांकी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह झांकी जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर स्व-जनगणना प्रक्रिया के प्रति लोगों को जागरूक करेगी तथा जनगणना-2027 में अधिक से अधिक नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करेगी।

सर्व कल्याण मंच हरियाणा ने अंबाला जिला टीम का किया विस्तार, पांच पदाधिकारियों को मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां

कैथल (कृष्ण प्रजापति): कला, साहित्य एवं सामाजिक कार्यों को समर्पित संस्था सर्व कल्याण मंच हरियाणा ने सामाजिक सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों को और अधिक गति देने के उद्देश्य से अंबाला जिला टीम का विस्तार किया है। संगठन की ओर से पांच सदस्यों को जिला स्तर पर महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए हैं।
संगठन द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार गुलाब सैनी, महमूदपुर (अंबाला) को महासचिव, राजेश कुमार, रजपुरा (अंबाला) को जिला संगठन सचिव, माधाराम, साहा (अंबाला) को जिला सचिव, शेर सिंह राणा, धीनी (अंबाला) को जिला उपाध्यक्ष तथा धर्मेंद्र सिंह, हलदरी (अंबाला) को जिला कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है।
सर्व कल्याण मंच के प्रदेश अध्यक्ष नवीन कौशिक, प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र उड़ाना और अंबाला जिला अध्यक्ष कुंवरदीप लक्खीवाल ने नवनियुक्त सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सामाजिक सेवा एवं जनकल्याण के कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी, संगठन के प्रति समर्पण और समाजहित में योगदान को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।
जिला अध्यक्ष कुंवरदीप लखीवाल साहा ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी अपने दायित्वों का निर्वहन निष्ठा, ईमानदारी और पूर्ण समर्पण के साथ करेंगे तथा संगठन की नीतियों एवं उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।
उन्होंने कहा कि सर्व कल्याण मंच का उद्देश्य समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने के साथ-साथ कला, साहित्य, सामाजिक सेवा और जनकल्याण के कार्यों को मजबूत करना है। नई जिला टीम के गठन से अंबाला जिले में संगठन की गतिविधियों को और अधिक मजबूती मिलने की उम्मीद है।
जिला अध्यक्ष कुंवरदीप लखीवाल साहा ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

बटेश्वर महादेव मंदिर कॉरिडोर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर अखिलेश यादव ने लगाया बड़ा आरोप

आगरा , उत्तर प्रदेश के आगरा जिले में यमुना नदी के किनारे बसे बटेश्वर में बटेश्वर शिव मंदिर कॉरिडोर के निर्माण में, मिट्टी पर ही सीधी पीसीसी डाले जाने, घटिया निर्माण सामग्री इस्तेमाल करने जैसे गंभीर आरोप समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लगाए गए हैं। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बटेश्वर कॉरिडोर निर्माण कार्य का एक वीडियो साझा करते हुए बटेश्वर महादेव मंदिर के सौंदरीयकरण और अतिरिक्त निर्माण के चल रहे बटेश्वर कॉरिडोर निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि शिकायतों के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही और आवाज उठाने वाले लोगों को धमकाया जा रहा है। अखिलेश यादव के आरोपों से बटेश्वर कॉरिडोर का मुद्दा राजनीतिक गलियारों में पक्ष और विपक्ष दोनों के मध्य एक चर्चा का बिषय बना, जहां एक और सत्ताधारी नेताओं ने से अखिलेश यादव की खीज बताया तो वहीं सपा नेताओं ने अपने मुखिखा के आरोपों का समर्थन किया है।

अंबेडकर प्रतिमा विवाद: तीसरे दिन भी लबकनी गांव में तनाव, सात नामजत 70 अज्ञात पर केस दर्ज

देवरिया, गौरीबाजार थाना क्षेत्र के लबकनी गांव में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा हटाए जाने के बाद उपजे विवाद के तीसरे दिन शनिवार को भी स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हो सकी। गांव में तनावपूर्ण शांति का माहौल बना रहा। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए गांव के मुख्य प्रवेश द्वार से लेकर घटनास्थल तक पुलिस और पीएसी के जवान तैनात रहे। पुलिस लगातार गश्त कर हालात पर नजर बनाए हुए है।
इस मामले में पुलिस ने लबकनी निवासी सूरज प्रसाद की तहरीर पर सात नामजद और 70 अज्ञात लोगों के खिलाफ विभिन्न गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।
नामजद आरोपितों में अर्जुन, अनिकेत, विकास, अनिल भारती, अंकुल समेत सात लोगों के नाम शामिल हैं।
पुलिस ने अब तक छह लोगों को हिरासत में लिया है, जिनमें एक किशोरी भी शामिल है। अधिकारियों के अनुसार घटनास्थल के वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों की जांच की जा रही है। इन्हीं के आधार पर अन्य आरोपितों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

भाजपा की प्रदेश पदाधिकारियों की सूची में प्रजापति समाज की अनदेखी पर उठे सवाल

कैथल (कृष्ण प्रजापति): भारतीय जनता पार्टी हरियाणा द्वारा प्रदेश पदाधिकारियों की नई सूची जारी किए जाने के बाद प्रजापति समाज की ओर से नाराजगी के स्वर सामने आए हैं। प्रजापति समाज के सबसे बड़े संगठन भारतीय प्रजापति हीरोज ऑगेर्नाइजेशन (बीपीएचओ) के प्रदेश अध्यक्ष सुमेर करड़वाल ने भाजपा नेतृत्व द्वारा जारी सूची में समाज के किसी भी प्रतिनिधि को स्थान नहीं दिए जाने पर कड़ा विरोध जताते हुए इसे सामाजिक प्रतिनिधित्व के दृष्टिकोण से निराशाजनक बताया है।
सुमेर करड़वाल ने कहा कि भाजपा द्वारा प्रदेश के नवनियुक्त पदाधिकारियों की घोषणा का वह स्वागत करते हैं और सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हैं लेकिन प्रदेश संगठन में प्रजापति समाज के किसी नेता को प्रतिनिधित्व नहीं मिलना निश्चित रूप से समाज के लिए चिंता का विषय है।
उन्होंने कहा कि प्रजापति समाज हरियाणा में पिछड़ा वर्ग का एक महत्वपूर्ण एवं बड़ा समुदाय है। समाज लंबे समय से भाजपा सहित सभी राजनीतिक दलों के साथ अपनी सक्रिय भागीदारी निभाता आया है। ऐसे में संगठन की प्रदेश स्तरीय जिम्मेदारियों में समाज की भागीदारी सुनिश्चित न होना कई सवाल खड़े करता है।
उन्होंने भाजपा हरियाणा के शीर्ष नेतृत्व से सवाल करते हुए कहा कि यदि पार्टी वास्तव में सामाजिक न्याय और सबका साथ, सबका विकास की नीति पर विश्वास करती है तो इसका प्रभाव संगठनात्मक प्रतिनिधित्व में भी दिखाई देना चाहिए। केवल मंचों और भाषणों में सामाजिक न्याय की बात करने से समाज के भीतर विश्वास कायम नहीं किया जा सकता। सुमेर करड़वाल ने कहा कि प्रजापति समाज किसी व्यक्ति विशेष के विरोध में नहीं है और न ही किसी अन्य समाज के प्रतिनिधित्व पर सवाल उठा रहा है। समाज की मांग केवल इतनी है कि जिस समाज की राजनीतिक, सामाजिक और संगठनात्मक भागीदारी है, उसे उचित सम्मान और प्रतिनिधित्व भी मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रजापति समाज की भावनाओं को लगातार नजरअंदाज किया गया तो आने वाले समय में समाज अपने हितों को लेकर गंभीरता से विचार करेगा और लोकतांत्रिक तरीके से कड़े राजनीतिक एवं सामाजिक फैसले लेने को मजबूर होगा।
उन्होंने भाजपा नेतृत्व से आग्रह किया कि समाज की भावनाओं को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश संगठन में प्रजापति समाज को उचित प्रतिनिधित्व देने पर विचार किया जाए, ताकि पार्टी और समाज के बीच विश्वास एवं संवाद और मजबूत हो सके।

भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष संदीप सिंह केरा सहित 31 कार्यकर्ता भाजपा में शामिल

जयपुर, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने शनिवार को श्रीगंगानगर से भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष संदीप सिंह केरा सहित उनके समर्थक 31 कार्यकताओं को भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाई। किसान नेता पृथ्वीपाल सिंह संधु के नेतृत्व में संदीप सिंह केरा एवं उनके समर्थकों ने भाजपा की रीति-नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व तथा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के विकास कार्यों से प्रभावित होकर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने सभी नए सदस्यों को पार्टी का दुपट्टा पहनाकर भाजपा परिवार में उनका स्वागत किया।
भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रहित, किसान हित और जनसेवा के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। विभिन्न वर्गों के लोगों का भाजपा के प्रति लगातार बढ़ता विश्वास इस बात का प्रमाण है कि जनता विकास, सुशासन और पारदर्शी कार्यशैली के साथ खड़ी है। उन्होंने सभी नवप्रवेशी कार्यकताओं से संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने और पूरी निष्ठा के साथ पार्टी को मजबूत करने का आह्वान किया।
इस दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बिहारी लाल विश्नोई, भाजपा महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, प्रदेश मंत्री सीताराम पोसवाल तथा भाजपा प्रदेश प्रकोष्ठ प्रभारी विजेंद्र पूनिया उपस्थित रहे। सभी नेताओं ने भाजपा परिवार में शामिल हुए नए सदस्यों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

अशोक गुर्जर ढांड को भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर मनोज चहल ने जताया शीर्ष नेतृत्व का आभार

कैथल (कृष्ण प्रजापति): भाजपा के वरिष्ठ नेता अशोक गुर्जर ढांड को भारतीय जनता पार्टी हरियाणा का प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए जाने पर हरियाणा पीडब्ल्यूडी गवर्नमेंट कॉन्ट्रैक्टर एसोसिएशन के सीनियर वाइस प्रेजीडेंट एवं प्रमुख समाजसेवी मनोज चहल कोटड़ा ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।
मनोज चहल ने कहा कि अशोक गुर्जर ढांड को पार्टी संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलना उनके समर्पण, मेहनत, निष्ठा और संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सम्मान है। उन्होंने विश्वास जताया कि अशोक गुर्जर ढांड अपनी नई जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से निर्वहन करते हुए संगठन को और अधिक मजबूत करने

में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।
उन्होंने कहा कि भाजपा नेतृत्व द्वारा कार्यकताओं की मेहनत और समर्पण को सम्मान देते हुए उन्हें संगठन में महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे जाना कार्यकताओं के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने अशोक गुर्जर ढांड को प्रदेश उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी देने पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।
मनोज चहल ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश अध्यक्षा डॉ. अर्चना गुप्ता, प्रदेश प्रभारी फणींद्रनाथ शर्मा सहित भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का धन्यवाद करते हुए कहा कि पार्टी नेतृत्व ने एक योग्य, कर्मठ और अनुभवी कार्यकर्ता को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देकर संगठन के प्रति विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि अशोक गुर्जर ढांड के नेतृत्व एवं अनुभव का लाभ निश्चित रूप से भाजपा संगठन को मिलेगा और पार्टी प्रदेश में और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी।

नौकरी मांगने वाले नहीं, देने वाले बन रहे हैं युवा: बृजेश पाठक

नोएडा, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को एक कार्यक्रम में भाग लेते हुए कहा है कि युवा नौकरी मांगने वाले नहीं अब देने वाले बन रहे हैं। युवा प्रदेश में अपने नवाचार के जरिये आगे बढ़ रहे हैं। देश की अर्थव्यवस्था में उत्तर प्रदेश अहम योगदान निभा रहा है।
उप मुख्यमंत्री जीएनआईओटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में शनिवार को आयोजित नमस्कार उत्तर प्रदेश राज्य सृजनकर्ता सम्मान कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रतिभा, नवाचार और युवा शक्ति के दम पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे सम्मान समारोह युवाओं को अपनी सृजनात्मक

क्षमता का बेहतर उपयोग करने और समाज व राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्होंने नमस्कार फाउंडेशन की पहल की सराहना करते हुए इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायक मंच बताया।
विशिष्ट अतिथि इसरो वैज्ञानिक अभिषेक सिंह ने इस अवसर पर कहा कि आज का युवा केवल अपने भविष्य का निर्माण नहीं कर रहा, बल्कि देश के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।
नवाचार और तकनीक के क्षेत्र में काम करने वाली प्रतिभाओं को सम्मान मिलने से नई पीढ़ी को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।
जीएनआईओटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष डॉ. राजेश गुप्ता ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि जिम्मेदार, संवेदनशील और नवाचारी नागरिक तैयार करना है। मुख्य कार्यकारी अधिकारी स्वदेश कुमार सिंह ने कहा कि यह आयोजन युवाओं की प्रतिभा, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक योगदान का उत्सव है। नमस्कार फाउंडेशन के सचिव उत्कर्ष नमो वत्स मिश्र ने कहा कि संस्था का उद्देश्य समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाली प्रतिभाओं को पहचान और प्रोत्साहन देना है।

डकैती की साजिश नाकाम, पांच आरोपित गिरफ्तार

कानपुर, चकेरी पुलिस ने बड़ी डकैती की वारदात होने से पहले शनिवार को पांच शातिर आरोपितों को गिरफ्तार कर उनकी साजिश नाकाम कर दी हैं। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, दो कारतूस, नकबजनी के उपकरण, एक पिकअप वाहन, चार मोबाइल फोन और नकदी बरामद की है। सभी आरोपितों को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ बदमाश शताब्दी रोड पर डकैती की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने श्यामनगर चौकी क्षेत्र में डी-ब्लॉक स्थित पानी की टंकी के पास घेराबंदी की। पुलिस को देखकर आरोपित भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन टीम ने पांचों को मौके से दबोच लिया।
पूछताछ में गिरफ्तार आरोपितों की पहचान जीत, राजेंद्र कुमार उर्फ पप्पू, शाहनवाज, कल्लू उर्फ जुनून और सोनू के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उनके पास से अवैध हथियार, नकबजनी के उपकरण और अन्य सामान बरामद हुआ।
पुलिस पूछताछ में आरोपितों ने स्वीकार किया कि वे इसी पिकअप वाहन का इस्तेमाल चोरी की घटनाओं में करते थे। उन्होंने श्यामनगर, महाराजपुर और साढ़ थाना क्षेत्रों में भैंस चोरी की कई वारदातों को अंजाम दिया है। गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और उनके आपराधिक नेटवर्क की भी जांच की जा रही है।
थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि बरामद पिकअप वाहन को सीज कर दिया गया है।
आरोपितों के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड, अन्य घटनाओं में उनकी संलिप्तता तथा चोरी के पशुओं की खरीद-फरोख्त से जुड़े लोगों की भी जांच की जा रही है।

शिक्षक संघ रेसटा ने फिर निभाया सामाजिक सरोकार

बीकानेर : शिक्षक संघ एलीमेंट्री सेकेंडरी टीचर एसोसिएशन (रेसटा) राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद ने बताया कि संगठन द्वारा मेधावी विद्यार्थियों को प्रतिवर्ष जिला स्तर पर कैरियर गाइडेंस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित करके सम्मानित किया जाता है। शिक्षक संघ रेसटा शिक्षकों की वाजिब मांगो के साथ साथ समय समय पर सामाजिक सरोकारों में भी अग्रणी भूमिका निभाता है। संगठन के स्थापना दिवस 5 सितम्बर को 2019 से लगातार राज्य भर में 11 हजार पौधे लगा रहा है। इस क्रम में शिक्षक संघ रेसटा द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक (मुख्यालय), बीकानेर डॉ.रामगोपाल शर्मा,अतरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी शैक्षिक प्रकोष्ठ लोकेश आत्रेय, अतरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी प्रशासन शिवशंकर चौधरी को संगठन की ओर से जिले भर के उच्च प्राथमिक एवं उच्च माध्यमिक सरकारी स्कूलों में आवश्यतानुसार गणित के फामूर्ले ही फामूर्ले-टू की 401 पुस्तकें भेंट

की। ये पुस्तक कक्षा 3 से 10 तक के विद्यार्थियों के लिए वर्गमूल, वर्ग निकालने तथा घन और घनमूल निकालने के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होगी। ये पुस्तक संगठन के जिला संरक्षक एवं सेवानिवृत व्याख्याता संजीव कुमार यादव ने संघ के प्रदेशाध्यक्ष सलावद की प्रेरणा से भेंट की है। डीईओ डॉ.शर्मा,एडीईओ आत्रेय एवं चौधरी ने इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक संघ रेसटा के द्वारा किए जा रहे सामाजिक सरोकारों के ऐसे कार्यों से मेधावी विद्यार्थियों को राहत मिलती है और मानवता की मिसाल कायम होती है।
जिलाध्यक्ष सीताराम डूडी एवं जिला महामंत्री पवन शर्मा ने कहा कि नर सेवा नारायण सेवा के समान हैं। इस अवसर पर संघ के प्रदेशाध्यक्ष मोहर सिंह सलावद,प्रदेश कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर विश्नोई,प्रदेश विधि सहलाकार अधिवक्ता हनुमान प्रसाद शर्मा,जिला संरक्षक संजीव कुमार यादव,जिलाध्यक्ष सीता राम डूडी,जिला महामंत्री पवन शर्मा,जिला प्रवक्ता अविनाश आसिया,जिला संगठन मंत्री ओम शंकर मौर्य,कोलायत ब्लॉक अध्यक्ष रामदयाल धायल,हदा ब्लॉक अध्यक्ष सुभाष विश्नोई,निर्मल रतनू,सौरभ प्रजापत, अरुण कुमार सोलंकी आदि उपस्थित रहें।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत अयोध्या मंडल में रिकॉर्ड जोड़ों का बसा घर

अयोध्या मंडल में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत 4,893 जोड़ों का हुआ विवाह, 47 .67 करोड़ रुपये की सहायता

अयोध्या।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत अयोध्या मंडल में वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान रिकॉर्ड 4,893 जरूरतमंद जोड़ों का वैवाहिक समारोह संपन्न हुआ। इन समारोहों में सरकार द्वारा कुल 47.47 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता राशि व्यय की गई, जिससे हजारों नवदंपतियों को नया घर बसाने में मदद मिली।

अयोध्या मंडल के पांच जनपदों
अम्बेडकरनगर, अमेठी, अयोध्या, बाराबंकी और सुल्तानपुर में यह योजना सफलतापूर्वक लागू हुई। योजना के अंतर्गत निर्धारित कुल लक्ष्य 4,893 वैवाहिक जोड़ों का था, जिसके सापेक्ष लगभग शत-प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई। प्राप्त धनराशि 47.67 करोड़ रुपये के मुकाबले 47.47 करोड़ रुपये का व्यय किया गया।जनपदवार आंकड़ों के अनुसार सुल्तानपुर में सबसे अधिक 2,008 जोड़ों का विवाह हुआ, जिसमें

अनुसूचित जाति/जनजाति के 1,583, अन्य पिछड़ा वर्ग के 388, अल्पसंख्यक के 14 और सामान्य जाति के 23 जोड़े शामिल थे। अयोध्या जनपद में 1,088 जोड़ों का समारोह संपन्न हुआ (अनुसूचित जाति/जनजाति 664, ओबीसी 400, अल्पसंख्यक 5, सामान्य 19)।अम्बेडकरनगर में 722, बाराबंकी में 767 और अमेठी में 308 जोड़ों ने इस योजना का लाभ उठाया। कुल मिलाकर अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के 3,707, अन्य पिछड़ा वर्ग के 1,088, अल्पसंख्यक के 40 और सामान्य जाति के 58 जोड़ों का विवाह कराया गया। सामूहिक विवाह समारोहों में स्थानीय प्रशासन, समाजसेवी संगठनों और जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी रही, जिससे पूरा माहौल उत्सवपूर्ण और गरिमामय बना।

बिना किसी आर्थिक बोझ के विवाह का मिला अवसर
यह आयोजन मात्र एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि सामाजिक सरोकार और सशक्तिकरण का जीवंत उदाहरण बना। योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के युवक-युवतियों को बिना किसी आर्थिक बोझ के विवाह का अवसर मिला।

मौजूदा वित्तीय वर्ष में 3,805 जोड़ों का लक्ष्य
वित्तीय वर्ष 2026-27 की शुरूआत में जून 2026 माह के आंकड़ों से स्पष्ट है कि नए वित्तीय वर्ष के लिए मंडल को कुल 3,805 जोड़ों का लक्ष्य दिया गया है और 9.39 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की गई है। हालांकि जून माह में व्यय शून्य रहा, क्योंकि टेंडर प्रक्रिया पूरी होने में विलंब हुआ। बाराबंकी जनपद के विशेष संदर्भ में स्पष्ट है कि टेंडर प्रक्रिया जुलाई 2026 के प्रारंभ में पूर्ण हो गई। इसके बाद 8 और 10 जुलाई को 429 जोड़ों का विवाह संपन्न हो चुका हैं।

सामाजिक समरसता की मिसाल
अयोध्या मंडल में हजारों नवदंपतियों को जीवनसाथी का साथ मिलने से सामाजिक स्थिरता और परिवार व्यवस्था को बल मिला है। योजना के अंतर्गत जाति-धर्म से ऊपर उठकर सभी वर्गों के जोड़ों को समान अवसर उपलब्ध कराया गया, जो सामाजिक समरसता की मिसाल है।

ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवारों को मिले योजना का लाभ
उपनिदेशक समाज कल्याण अयोध्या मंडल राकेश रमन ने बताया कि योजना की सफलता का मुख्य कारण जमीनी स्तर पर प्रभावी निगरानी, समय पर धनराशि की उपलब्धता और लाभार्थियों की सही पहचान रही।

आगामी महीनों में भी इसी गति से कार्य जारी रखने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवारों को योजना का लाभ मिल

मुरादाबाद : मोमबत्ती फैक्टरी में लगी भीषण आग, कड़ी मशक्कत के बाद पाया जा सका काबू

मुरादाबाद।
उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद में थाना सदर कोतवाली क्षेत्र के बुध बाजार स्थित मोहल्ला सागर सराय में बनी मोमबत्ती फैक्टरी और उसके गोदाम में बीती देर रात्रि शुक्रवार को आग की भीषण लपटें उठने लगी। देखते ही देखते आग इतनी तेजी से फैली की जिसने फैक्टरी और गोदाम को पूरी तरह से अपनी चपेट में ले लिया। आग की तपिश और धुआं आस पास के घरों में पहुँचने लगा। इससे क्षेत्र में काफी अफरा तफरी मच गई।

घटना की सूचना पर दमकल कर्मी व फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बिना देर किए पहुंच गई। वहीं जिला प्रशासन, पुलिस एवं अग्निशमन विभाग ने तत्काल प्रभाव से राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया। आग की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय स्तर पर सभी उपलब्ध फायर टेंडरों को तत्काल घटनास्थल पर लगाया गया। फायर सर्विस, पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त टीमों ने पूरी रात लगातार अभियान चलाकर आग को फैलने से रोका तथा आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित रखा।आग इतनी भयावह थी कि मौके पर 50 से अधिक फायर ब्रिगेड की गाड़ियों का पानी आग बुझाने में लग गई।

उप्र का मौसम : आने सात दिनों के मध्य बारिश के आसार, कई जिलों में भारी वर्षा की चेतावनी

3 से 5 अगस्त के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश की संभावना, किसानों को सतर्क रहने की सलाह

प्रयागराज।
आने वाले सात दिनों के मध्य उत्तर प्रदेश के के कई जिलों में भारी वर्षा के आसार है। ऐसा भारतीय मौसम विभाग का पूवार्नुमान है । यह जानकारी शनिवार को चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए), कानपुर के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस.एन. सुनील पांडेय ने दी।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में अगले सात दिनों तक बारिश और गरज-चमक का दौर जारी रहने की

संभावना है।

विशेष रूप से 3 से 5 अगस्त के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में कहीं-कहीं भारी वर्षा हो सकती है। उन्होंने किसानों को मौसम का पूवार्नुमान देखते हुए कृषि कार्य करने और जलभराव से फसलों की सुरक्षा के लिए आवश्यक उपाय अपनाने की सलाह दी।

डॉ. पांडेय ने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग के क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र, लखनऊ द्वारा जारी पूवार्नुमान के अनुसार एक अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों तथा पूर्वी उत्तर प्रदेश में कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है।

जौनपुर: 50 हजार का इनामी मुठभेड़ में घायल, साथी समेत गिरफ्तार

जौनपुर।
यूपी के जौनपुर में खुटहन थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में 50 हजार रुपये का इनामी एवं अंतरजनपदीय हिस्ट्रीशीटर बदमाश पुलिस की जवाबी कार्रवाई में घायल हो गया, जबकि उसका एक साथी मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने दोनों के कब्जे से एक देशी तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की है।

इस संबंध में शनिवार को जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी शाहगंज गिरेन्द्र सिंह ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के निर्देश पर थानाध्यक्ष लक्ष्मण विक्रम सिंह के नेतृत्व में अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत खुटहन पुलिस सुईथाखुर्द नहर पुलिया के पास वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया। आरोप है कि बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें रिंकू यादव यादव निवासी भेला, थाना सरपतहाँ (जौनपुर) के बाएं पैर में गोली लग गई। उसका साथी सत्यम लोना निवासी शाहपुर फिरोजपुर, थाना जलालपुर (अंबेडकर नगर) को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। घायल रिंकू यादव को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खुटहन भेजा गया। वह थाना सरपतहाँ का हिस्ट्रीशीटर है और उस पर जौनपुर, आजमगढ़, प्रयागराज, अंबेडकर नगर, सुल्तानपुर, अमेठी तथा अयोध्या सहित विभिन्न जनपदों में हत्या के प्रयास, लूट, डकैती, चोरी, गैंगस्टर एक्ट और शस्त्र अधिनियम समेत 38 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार सत्यम लोना के विरुद्ध भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपितों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

आत्महत्या मामले में नायब तहसीलदार पर दुष्कर्म व उत्पीड़न का केस दर्ज

जौनपुर।
उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर में मीरगंज थाना अंतर्गत पुलिस ने विवाहित महिला को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने तथा उसे आत्महत्या के लिए विवश करने के आरोप में वर्तमान में केराकत तहसील में तैनात नायब तहसीलदार विवेक श्रीवास्तव के विरुद्ध शुक्रवार को मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। इस संबंध में शनिवार को जानकारी लेने पर अपर पुलिस अधीक्षक शहर आयुश श्रीवास्तव ने बताया कि मीरगंज थाना क्षेत्र की एक महिला ने तहरीर देकर आरोप लगाया कि उनकी पुत्री श्वेता सिंह का विवाह वर्ष 2014 में बरसठी थाना क्षेत्र के एक गांव में हुआ था। उसकी एक 10 वर्षीय पुत्री भी है। तहरीर में कहा गया है कि सुलतानपुर जिले के अमहट कोतवाली क्षेत्र के गोरा बारीक गांव निवासी विवेक श्रीवास्तव का उनके घर आना जाना था। वह वर्तमान में केराकत तहसील में नायब तहसीलदार के पद पर तैनात हैं। मछलीशहर तहसील में तैनाती के दौरान उन्होंने श्वेता सिंह से निकटता बढ़ाई और शादी का झांसा देकर अपने साथ रखने लगे।तहरीर में आरोप लगाया गया है कि आरोपित ने पीड़िता का मानसिक उत्पीड़न किया, पर्यटन स्थलों पर ले जाकर अश्लील वीडियो बनाए तथा अन्य अधिकारियों के साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव भी डाला। इन परिस्थितियों से परेशान होकर श्वेता सिंह ने 09 मार्च को फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली।मृतका की मां की तहरीर के आधार पर मीरगंज थाना पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है तथा साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बाइक सवार बदमाशों ने लूटी सोने की चेन

नोएडा।
थाना बिसरख में एक व्यक्ति ने शुक्रवार की बीती रात को रिपोर्ट दर्ज कराई है कि अज्ञात बदमाशों ने उसके गले से सोने की चेन लूट लिया है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना प्रभारी मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि बीती रात को आकाश राय ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह गौर सिटी-वन में रहते हैं। श्री राम स्कूल के पास से वह बीती रात को पैदल गुजर रहे थे, तभी बाइक पर सवार होकर आए अज्ञात बदमाशों ने उनके गले से उनका कीमती चेन लूट लिया। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि स्कूल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला जा रहा है।

सदर स्टेशन पर आरपीएफ ने लौटाया साढ़े सात लाख रुपये मूल्य का खोया सामान

देवरिया।
रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ईमानदारी और तत्परता का परिचय देते हुए सदर रेलवे स्टेशन पर एक यात्री का छूटा हुआ सामान सुरक्षित लौटाकर मिसाल पेश की। ट्रॉली बैग में करीब 7.50 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण और 10 हजार रुपये नकद रखे थे।

आरपीएफ के अनुसार, 31 जुलाई को मंडल सुरक्षा नियंत्रण कक्ष वाराणसी से सूचना मिली कि गाड़ी संख्या 12165 के कोच एस-आठ में एक यात्री के दो ट्रॉली बैग छूट गए हैं। सूचना मिलते ही देवरिया सदर स्टेशन पर ट्रेन के पहुंचने पर हेड कांस्टेबल रविशंकर शाह ने कोच की जांच कर दोनों ट्रॉली बैग बरामद किए और उन्हें सुरक्षित आरपीएफ पोस्ट पर जमा करा दिया।

जितेंद्र यादव आरपीएफ पोस्ट पहुंचे और बैग अपना बताते हुए उसे वापस देने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि वह अपने परिवार के साथ लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) से मऊ तक यात्रा कर रहे थे। मऊ स्टेशन पर उतरने की जल्दबाजी में उनके दोनों ट्रॉली बैग ट्रेन में ही छूट गए थे।

शातिर लुटेरा गिरफ्तार,16 मोबाइल फोन बरामद

नोएडा।
थाना फेस-दो पुलिस ने बीती रात को एक बदमाश को गिरफ्तार कर उनके पास से 16 मोबाइल फोन, एक अवैध चाकू आदि बरामद किया है।

थाना प्रभारी राघवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि आज सुबह को एक सूचना के आधार पर थाना पुलिस ने ग्राम सलारपुर निवासी सत्यम राय को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इसके पास से विभिन्न जगहों से लूटे हुए और चोरी के विभिन्न कंपनियों के 16 कीमती मोबाइल फोन, एक अवैध चाकू बरामद हुआ है।

एचएमएसआई ने जुलाई 2026 में 5 .42 लाख यूनिट की बिक्री दर्ज की

करनाल। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एचएमएसआई) ने जुलाई 2026 में कुल 5.42 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो जुलाई 2025 में बेची गई 5.15 लाख यूनिट्स की तुलना में 5% की सालाना बढ़ोतरी है। जुलाई 2026 में घरेलू बिक्री 4.76 लाख यूनिट्स रही, जो जुलाई 2025 में बेची गई 4.66 लाख यूनिट्स की तुलना में 2% की बढ़ोतरी है। जुलाई 2026 में एक्सपोर्ट 0.66 लाख यूनिट्स रहा, जो जुलाई 2025 में एक्सपोर्ट की गई 0.49 लाख यूनिट्स की तुलना में 35% की बढ़ोतरी है।

एफवाई27 (अप्रैल-जुलाई 2026) की अब तक की अवधि के लिए, एचएमएसआई ने कुल 21.54 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो अप्रैल-जुलाई 2025 के दौरान बेची गई 18.90 लाख यूनिट्स की तुलना में 14% की बढ़ोतरी है। अप्रैल-जुलाई 2026 के दौरान घरेलू बिक्री 18.89 लाख यूनिट्स रही, जो अप्रैल-जुलाई 2025 के दौरान बेची गई 16.95 लाख यूनिट्स की तुलना में 11% की बढ़ोतरी है। अप्रैल-जुलाई 2026 के दौरान एक्सपोर्ट 2.64 लाख यूनिट्स रहा, जो अप्रैल-जुलाई 2025 के दौरान एक्सपोर्ट की गई 1.95 लाख यूनिट्स की तुलना में 35% की बढ़ोतरी है।

इस महीने टू-व्हीलर मार्केट में मांग स्थिर रही। अपने अलग-अलग तरह के प्रोडक्ट्स और देश भर में 7,000 से ज्यादा टचपॉइंट्स के बड़े नेटवर्क के दम पर, एचएमएसआई ग्राहकों तक अपनी पहुँच को मजबूत कर रही है और बाजारों में अपना दायरा बढ़ा रही है।

कुत्ते ने मासूम बच्ची को काटा, नोएडा प्राधिकरण से कुत्तों को पकड़कने की मांग

नोएडा।
थाना बीटा-दो क्षेत्र के परी चौक स्थित एनआरआई रेजिडेंसी सोसाइटी में शुक्रवार शाम को कुत्ते ने बच्ची को काट लिया। दो दिन पहले लावारिस कुत्ते ने एक सुरक्षाकर्मी को काटा था। इन घटनाओं से लोगों में रोष है।

सोसाइटी निवासी श्रवण निगम ने बताया कि शुक्रवार शाम एक चार वर्षीय बच्ची सोसाइटी परिसर में खेल रही थी, तभी एक लावारिस कुत्ते ने उसके हाथ पर काट लिया। घटना के बाद बच्ची को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। सोसाइटी के लोगों

का कहना है कि दो दिन पहले भी एक सुरक्षाकर्मी पर लावारिस कुत्ते ने हमला कर उसे घायल कर दिया था। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से लोगों में दहशत का माहौल है। बच्चों का बाहर खेलना और लोगों का सुबह-शाम टहलना भी मुश्किल हो गया है।

सोसाइटी के लोगों ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण से लावारिस कुत्तों की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है। उनका आरोप है कि इस संबंध में कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का कहना है कि वे अपने स्तर पर कई कुत्तों का टीकाकरण भी कराते हैं, ताकि किसी अप्रिय घटना की स्थिति में संक्रमण का खतरा कम हो सके, लेकिन केवल टीकाकरण से समस्या का समाधान नहीं होगा।

गौकशी प्रकरण का वांछित आरोपित पुलिस मुठभेड़ में घायल, साथी फरार

औरैया।
उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में कोतवाली अजीतमल क्षेत्र में गौकशी प्रकरण से जुड़े एक वांछित आरोपित को तड़के पुलिस मुठभेड़ के दौरान गोली लग गई। उसका साथी फरार हो गया। घायल आरोपी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अजीतमल में भर्ती कराया गया है।

यह कार्रवाई 30 जुलाई की रात दर्ज गौकशी के एक मामले से जुड़ी है। शुक्रवार रात भिखेपुर के पास पुलिस ने करीब 16 किलोग्राम संदिग्ध मांस के साथ एक नाबालिग को पकड़ा था। इसके बाद क्षेत्राधिकारी अजीतमल के निर्देशन में पुलिस ने दलेलनगर समेत कई स्थानों पर छापेमारी कर आरोपितों की तलाश शुरू की थी। बरामद मांस का नमूना पशु चिकित्साधिकारी डॉ. उमेश राजपूत द्वारा जांच के लिए मथुरा स्थित प्रयोगशाला भेजा गया है।

शनिवार तड़के प्रतापपुर अंडरब्रिज के पास पुलिस चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान बाबरपुर की ओर से बाइक पर आ रहे दो संदिग्ध युवकों को रुकने का इशारा किया गया। दोनों ने बाइक मोड़कर भागने लगे, लेकिन कुछ दूरी पर ब्रेकर के कारण बाइक असंतुलित होकर गिर गये।

देवरिया : पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली, छीना गया मंगलसूत्र बरामद

देवरिया।
उत्तर प्रदेश के जनपद देवरिया में खुखुन्दू थाना पुलिस ने शुक्रवार देर रात पुलिस मुठभेड़ के दौरान दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में एक बदमाश के दाहिने पैर में गोली लगी, जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने दोनों आरोपितों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, कारतूस, दो मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल तथा महिला से छीना गया सोने का मंगलसूत्र लॉकेट सहित बरामद किया है।

पुलिस अधीक्षक अभि जीत आर शंकर ने बताया कि 29 जुलाई को थाना खुखुन्दू क्षेत्र के ग्राम तिलौली उर्फ डेहरी में एक महिला से मंगलसूत्र छीनने की घटना हुई थी। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी। शुक्रवार देर रात सूचना मिली कि घटना में शामिल दोनों आरोपित बहादुरपुर से पड़री बाजार की ओर जा रहे हैं। सूचना पर महुई पाण्डेय गांव के बाहर पार्क और पुल के पास वाहन चेकिंग शुरू की गई। उन्होंने बताया कि इसी दौरान एक मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस के अनुसार दोनों ने भागने का प्रयास किया और खुद को घिरा देख पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आरोपित के पैर में गोली लगी, जबकि दूसरे को दौड़ाकर पकड़ लिया गया।

उन्होंने बताया कि घायल आरोपित की पहचान कलीम शेख (25 वर्ष) पुत्र नईमुल्लाह निवासी मोहन मुंडेरा थाना रामपुर कारखाना के रूप में हुई। उसके पास से एक तमंचा, कारतूस, खोखा, एक मोबाइल और छीना गया लॉकेट बरामद हुआ। दूसरे आरोपित मुसाफिर शाह (24 वर्ष) पुत्र हसनैन शाह निवासी मोहन मुंडेरा थाना रामपुर कारखाना के कब्जे से भी एक तमंचा, कारतूस, खोखा और मोबाइल बरामद किया गया।

उन्होंने बताया कि पुलिस ने दोनों आरोपितों के खिलाफ थाना खुखुन्दू में बीएनएस एवं आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड प्रयागराज द्वारा आयोजित जसरा ब्लॉक परिसर में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रयागराज - उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, प्रयागराज की ओर से शनिवार को जसरा ब्लॉक परिसर में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन, कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं, महिलाओं एवं स्वरोजगार के इच्छुक लोगों को विभाग द्वारा संचालित विभिन्न रोजगारपरक योजनाओं की जानकारी दी गयी इसके साथ ही कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अजीत कुमार उर्फ पप्पू सिंह ब्लॉक प्रमुख जसरा मौजूद थे ,इस अवसर पर जिला ग्रामोद्योग अधिकारी जवाहर लाल ने विभागीय अधिकारी उपस्थित लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी तथा आवेदन प्रक्रिया, पात्रता एवं लाभ प्राप्त करने की पूरी प्रक्रिया से भी के बारे में बताया,कार्यक्रम में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP), मुख्यमंत्री ग्रामोद्योग रोजगार योजना, मुख्यमंत्री माटीकला ग्रामोद्योग रोजगार योजना तथा माटीकला टूल्सकिट योजना सहित कई महत्वपूर्ण योजनाओं की जानकारी दी, साथ ही स्वरोजगार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए लाभार्थियों का मार्गदर्शन भी किया,इस कार्यक्रम का आयोजन जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी, प्रयागराज मण्डल द्वारा किया गया,विभाग ने अधिक से अधिक ग्रामीण युवाओं, महिलाओं और बेरोजगार अभ्यर्थियों से कार्यक्रम में शामिल हुए, रोजगारपरक योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की,कार्यक्रम के दौरान जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी जवाहर लाल, सुनील कुमार,जेई जसरा सुनील कुमार पटेल,हिमांशु यादव, अभिषेक त्रिपाठी एवं महेश,राम लाल, त्रिभुवन नाथ पटेल सहित विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रह।

रानी स्टेशन पर स्टेशन प्रबंधक विजय सिंह शेखावत का भव्य सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित

प्रभुराम चौधरी बिजोवा

रानी रेलवे स्टेशन पर स्टेशन प्रबंधक विजय सिंह शेखावत के सेवानिवृत्ति समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। श्री शेखावत भारतीय रेलवे में 37 वर्षों की उत्कृष्ट एवं निष्कलंक सेवा पूर्ण करने के बाद सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने रानी रेलवे स्टेशन पर लगभग 10 वर्षों तक अपनी सेवाएँ दीं। अपने कर्तव्यनिष्ठ, निर्भीक एवं यात्रियों के प्रति सहयोगी स्वभाव के कारण वे "निर्भीक स्टेशन मास्टर" के नाम से भी प्रसिद्ध रहे। उन्होंने अपने कार्यकाल में यात्रियों की समस्याओं का तत्परता से समाधान कर सभी का विश्वास अर्जित किया।

समारोह में रानी स्टेशन मास्टर उमेदमल (अमाराम) देवड़ा, पंकज चौधरी, महेन्द्र कुमार, सोहनलाल, मांगीलाल, भरत कुमार, सतीश कुमार, मंजीत सिंह, उमेश तक्षक, ऋषभ सहित रेलवे स्टाफ उपस्थित रहा।

इस अवसर पर रानी के गणमान्य नागरिक राजेन्द्र अग्रवाल, अशोक अरोड़ा, प्रताप मीणा, जोधाराम, हकाराम चौधरी, मदन भाया, पवन मेवाड़ा, राजेन्द्र सिंह एडवोकेट, पूनाराम कुमावत, चुन्नीलाल नोवल्टी, मंगल कुमावत , कुंदनसिंह, महिपाल जैन , दिनेश जैन शंकर सिंह मनीष बंजारा एड्वोकेट तथा मनोज मीणा (हेल्थ इंस्पेक्टर) सहित अनेक लोगों ने श्री शेखावत के व्यक्तित्व एवं सेवाओं पर प्रकाश डालते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कार्यक्रम में गोड़वाड रेलवे विकास समिति की ओर से श्री विजय सिंह शेखावत का साफा एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। समारोह का वातावरण भावुक रहा और उपस्थित सभी लोगों ने उनके स्वस्थ, सुखद एवं मंगलमय सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएँ दीं।

फरार हत्या आरोपित तीन साल बाद गिरफ्तार, भेजा गया जेल

(बिहार वैशाली) पातेपुर संवाददाता रंजीत कुमार पातेपुर : तिसिऔता थाना पुलिस ने हत्या के एक मामले में तीन वर्ष से अधिक समय से फरार चल रहे आरोपित को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में हाजीपुर जेल भेज दिया। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के डभैच गांव में छापेमारी कर यह कार्रवाई की।

गिरफ्तार आरोपित की पहचान डभैच गांव निवासी स्वर्गीय बाला मांझी के पुत्र बब्लु मांझी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपित हत्या के एक मामले में नामजद था और लंबे समय से गिरफ्तारी से बचने के लिए फरार चल रहा था। लगातार की जा रही छापेमारी और तकनीकी अनुसंधान के बाद पुलिस ने उसे उसके गांव से दबोच लिया।

थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायिक हिरासत में हाजीपुर जेल भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि फरार वारंटियों एवं गंभीर मामलों के आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

गन्दे नाले में पटकी सरकारी दवाइयां स्टॉक में कमी बताया

रिपोर्ट... राकेश कोठेनिया भरतपुर

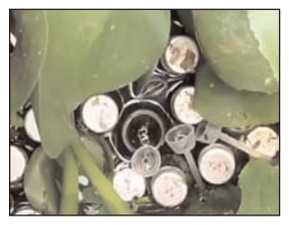

..ड्डशहर के काली की बगीची क्षेत्र में स्थित श्मशान घाट के सामने बने नाले में बड़ी संख्या में दवाइयां पड़ी मिलने से स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। मौके पर मौजूद लोगों के अनुसार नाले में करीब 1000 के आसपास दवाइयां गिरी हुई दिखाई दीं हैं। शहर के काली बगीची क्षेत्र के नाले में पड़ी हुई मिली दवाइयों के पैकेट पर राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन (फ्टरउछ) का नाम और सरकारी चिकित्सा आपूर्ति से संबंधित विवरण नजर आ रहा है। लोगों ने कहा कि यदि ये दवाइयां सरकारी अस्पतालों के लिए जारी की गई थीं, तो आखिर इन्हें नाले में क्यों फेंका गया है। क्या ये दवाइयां समय सीमा समाप्त होने के कारण अनुपयोगी हो गई थीं या फिर किसी अन्य वजह से इन्हें यहां डाला गया है। लोगो ने कहा कि निष्पक्ष जांच कर यह पता लगाया जाए कि इतनी बड़ी संख्या में सरकारी दवाइयां नाले तक कैसे पहुंचीं साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि दवाइयां एक्सपायरी थीं या उपयोग योग्य और यदि उपयोग योग्य थीं तो इन्हें जरूरतमंद मरीजों तक पहुंचाने के बजाय नाले में क्यों फेंका गया है।

हाईवे-162 पर गौवंश से टकराई कार, बड़ा हादसा टला; परिवार सुरक्षित, गौवंश की हुई मौत

अकरम खान, सोजत। नेशनल हाईवे-162 पर शनिवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। सुबह करीब 6 बजे रोड रॉयल प्लाजा होटल के निकट धाकड़ी बोर्ड के पास पाली से सोजत की ओर आ रही एक कार अचानक सड़क पर आए आवारा गौवंश से टकरा गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि गौवंश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार में सवार भाई, उनकी पत्नी और बहन को मामूली झटके आए, लेकिन सभी सुरक्षित बच गए। लोगों का कहना है कि यदि कार अनियंत्रित होकर पलट जाती तो बड़ा जानलेवा हादसा हो सकता था।

घटना की सूचना मिलते ही गौसेवा से जुड़े कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे और आवश्यक व्यवस्था संभाली। इस दौरान गौपुत्र दिनेश मेवाड़ा, रवि मेवाड़ा, जयदेव मेवाड़ा, श्रवण मेवाड़ा, शुभ्रा सहित अन्य गौसेवक मौजूद रहे।

घटना के बाद गौसेवकों और स्थानीय लोगों ने नेशनल हाईवे-162 पर लगातार बढ़ रही आवारा गौवंश की समस्या पर गहरी चिंता व्यक्त की। उनका कहना है कि हाईवे पर बेसहारा गौवंश के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे पशुओं के साथ-साथ वाहन चालकों की जान भी खतरे में पड़ रही है।

उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, स्थानीय प्रशासन और टोल प्रबंधन से हाईवे पर मजबूत फेंसिंग, नियमित गश्त तथा बेसहारा गौवंश के सुरक्षित संरक्षण एवं पुनर्वास की प्रभावी व्यवस्था करने की मांग की, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

ABVP की मांग रंग लाई, ऑनलाइन प्रवेश से वंचित छात्राओं को मिला नया अवसर- सानिया बानो

अकरम खान, सोजत। आई माता राजकीय कन्या महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के स्नातक प्रथम सेमेस्टर की रिक्त सीटों पर ऑफलाइन प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 अगस्त कर दी गई है। इससे उन छात्राओं को बड़ी राहत मिली है, जो किसी कारणवश ऑनलाइन आवेदन नहीं कर सकी थीं या जिनका प्रवेश नहीं हो पाया था। महाविद्यालय के प्राचार्य श्यामलाल तोसावरा ने बताया कि पहले ऑफलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 30 जुलाई निर्धारित थी, जिसे अब बढ़ाकर 10 अगस्त कर दिया गया है। इच्छुक छात्राएं निर्धारित आवेदन पत्र भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ महाविद्यालय में जमा कर सकती हैं।

इस संबंध में अइश्ढ सोजत की सहमंत्री एवं आई माता राजकीय कन्या महाविद्यालय इकाई अध्यक्ष सानिया बानो ने सभी पात्र छात्राओं से अपील की है कि जिनका किसी कारण से ऑनलाइन प्रवेश नहीं हो पाया है, वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए ऑफलाइन प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से आवेदन कर अपनी पढ़ाई जारी रखें।

गौरतलब है कि ऑफलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू कराने की मांग को लेकर सानिया बानो ने पूर्व में महाविद्यालय प्रशासन को ज्ञापन भी सौंपा था। अब प्रवेश तिथि बढ़ने और ऑफलाइन प्रक्रिया जारी रहने से क्षेत्र की अनेक छात्राओं को उच्च शिक्षा से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

सिगरा थाने में सांसद पप्पू यादव के विरुद्ध तहरीर कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग

डॉ उदय शंकर भगत

वाराणसी ' आज साधना सनातन दल एवं हिंदू युवा वाहिनी वाराणसी जिला के पदाधिकारियों ने पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव के विरुद्ध सिगरा थाने में तहरीर देकर उनके खिलाफ विधिसम्मत एवं कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की साधना सनातन दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सौरभ मौर्य ने कहा कि सनातन धर्म करोड़ों लोगों की आस्था का विषय है और किसी भी व्यक्ति द्वारा सनातन परंपरा देवी-देवताओं अथवा धार्मिक भावनाओं का अपमान करना अत्यंत निंदनीय है उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर किसी भी धर्म विशेष की भावनाओं को आहत करना स्वीकार्य नहीं है उन्होंने मांग की कि मामले में निष्पक्ष जांच कर शीघ्र एफआईआर दर्ज की जाए। साथ ही चेतावनी दी कि यदि उचित कानूनी कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण तरीके से व्यापक जनआंदोलन करेगा हिंदू युवा वाहिनी वाराणसी जिला के अध्यक्ष समर बहादुर सिंह ने कहा कि संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है जहां देश की जनता के कर से संचालित व्यवस्था चलती है ऐसे पवित्र मंच से किसी भी प्रकार का ऐसा आचरण जिससे किसी धर्म या समुदाय की भावनाएं आहत हों अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों से गरिमापूर्ण एवं जिम्मेदार व्यवहार की अपेक्षा की जाती है इस अवसर पर मुख्य रूप से दीपक गुप्ता नरेंद्र सेठ अंशु गुप्ता शकुंतला प्रजापति सोनू सिंह विशाल सिंह सुनीता सोनी एवं गणेश जायसवाल उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महा अभियान हरियालो राजस्थान के तहत उपखंड प्रशासन

प्रभुराम चौधरी बिजोवा

रानी द्वारा राजस्व वाटिका में उपखंड अधिकारी शिवा जोशी एवं तहसीलदार आम्बाराम बोसिया द्वारा उपखंड कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया ।

उपखंड अधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों , कर्मचारियों एवं आमजन से अधिक से अधिक पौधे लगाकर श्रेत्र को हरा भरा करने की अपील की । उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए राज्य को हरियाला बनाना है । वातावरण जितना हराभरा होगा उतनी ऑक्सीजन हमें प्राप्त होगी । तहसीलदार बोसिया ने राजस्व कर्मचारियों से उनके कार्य श्रेत्र में अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया । उन्होंने कहा कि सिर्फ पौधे लगाकर छोड़ देना ही काफी नहीं है, उनकी देखभाल व संरक्षण करना भी आवश्यक है । उन्होंने बताया कि उपखंड एवं तहसील परिसर में एक सौ पौधे लगाए जाएंगे । इस अवसर पर नायब तहसीलदार मोहनलाल , मदन सिंह राजपुरोहित, आर आई रामचंद्रसिंह , झालाराम, ओमप्रकाश गुर्जर ,पटवार संघ अध्यक्ष शंकरसिंह सहित राजस्व अधिकारी , उपखंड एवं तहसील के कर्मचारीगण सहित नागरिकगण उपस्थित थे ।

अवैध अफीम बरामदगी के आरोपीयों को 3-3 साल का कठोर कारावास

जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मुजफ्फर चौधरी ने 14 साल पुराने अवैध मादक पदार्थ -अफीम दूध बरामदगी मामले में फैसला सुनाते हुए दो आरोपीयो को 3-3 वर्षों का कठोर कारावास और 25 हजार रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई है। जुमार्ना राशि अदायगी नहीं होने पर 3 माह का कठोर कारावास अतिरिक्त भुगताने का आदेश पारित किया।

मनोहर लाल पालीवाल विशिष्ट लोक अभियोजक न्यायालय एनडीपीएस संख्या-दो, जोधपुर ने बताया कि दिनांक 26-04-2012 को पावटा चौराहे पर तैनात एएसआई मूलसिंह ने पुलिस थाना उदयमदिर के तत्कालीन थानाधिकारी मांगीलाल को सूचना दी की पावटा चौराहे के पास , किसान भवन के आगे दो व्यक्तियों द्वारा पकडे हुए दो हैंड बैग में मादक पदार्थ होने की संभावना है। जिस पर थानाधिकारी द्वारा नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करते हुए पुलिस जाब्ता के साथ किसान भवन के आगे पहुंचे। जहां पर जमीन पर बैठे हुए दो व्यक्तियों से जाकर पूछताछ करने पर एक ने अपना नाम पप्पू सुथार पुत्र धनराज निवासी रायती गुलाणा पुलिस थाना बेगू जिला चित्तौड़गढ़ तथा दूसरे ने अपना नाम सुरेश कुमार पुत्र लक्ष्मी नारायण निवासी रिछड़िया पुलिस थाना रामगंज मंडी जिला कोटा ग्रामीण होना बताया। तथा इनके बैग में रखे सामान के बारे में पूछा तो दोनों जने घबराने लगे तथा कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। तो थानाधिकारी द्वारा चश्मदीद गवाह की उपस्थिति में पप्पू सुथार के कब्जे के बैग से पॉलीथिन की थैली के अंदर एक किलो अफीम का दूध होना पाया गया, इसी प्रकार उसके साथी सुरेश कुमार के कब्जे के बैग में भी पॉलीथिन की थैली के अंदर एक किलो अफीम का दूध होना पाया गया जो अवैध होने से कब्जा पुलिस लिया जाकर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया तथा बाद अनुसंधान पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में एनडीपीएस एक्ट के तहत चार्जशीट प्रस्तुत की। मनोहर लाल पालीवाल विशिष्ट लोक अभियोजक एनडीपीएस संख्या दो, जोधपुर ने न्यायालय से वर्तमान में अवैध मादक पदार्थों के मामलों में उतरोतर वृद्धि होने, अवैध मादक पदार्थों के अपराध गंभीर किस्म की प्रकृति के अपराध होने और उसका समाज में प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की वजह से आरोपियों को कठोरतम सजा देने की मांग की जबकि आरोपियों ने नरमी बरतने का आग्रह किया।

विशिष्ट न्यायालय एनडीपीएस संख्या 2 जोधपुर के विशिष्ट न्यायाधीश मुजफ्फर चौधरी ने अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत कुल 13 गवाह, 42 दस्तावेजी साक्ष्य, 8 आर्टिकल के आधार पर दोनों आरोपीयो पप्पु सुथार व सुरेश कुमार को दोषी ठहराते हुए अवैध मादक पदार्थ अफीम दूध रखने और उसकी खरीद फरोख्त करने के आरोप में 3-3 वर्ष की कठोर सजा व पच्चीस हजार रुपए के जुमार्ने की कठोर सजा सुनाई।

मेड़ता में मीरा महोत्सव 18 अगस्त से तैयारियां शुरू

मेड़ता सिटी(लक्ष्मीनारायण वैष्णव)/हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी भगवान श्री चारभुजा नाथ ओर भक्त शिरोमणि मीराबाई मंदिर परिसर में आगामी 18 अगस्त से 25 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाला मीरा महोत्सव 2026 के सफल आयोजन हेतु अध्यक्ष मुकेश जोशी सहित मीरा महोत्सव समिति तैयारियों में जुटी हुई है।

मीडिया प्रभारी सुनील पुरी ने बताया कि समिति के पदाधिकारी मेड़ता तहसीलदार मदन परमार से मुलाकात की । मीरा महोत्सव के कार्यक्रम की रूप रेखा तय करने व विभिन्न व्यवस्थाओं ओर इस दौरान होने वाले कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की। तहसीलदार परमार ने मीरा महोत्सव के सफल आयोजन को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इसके बाद समिति के पदाधिकारी मेड़ता नगर पालिका पहुंचे जहां मेड़ता विधायक लक्ष्मण राम कलरु ओर मेड़ता अधिशाषी अधिकारी राम रतन चौधरी को मीरा महोत्सव को लेकर पत्र देते हुए महोत्सव के आयोजन को लेकर अवगत करवाया । उनसे सहयोग की अपील की।

मेड़ता विधायक लक्ष्मण राम ने कहा ये हमारा सौभाग्य है हम मीरा नगरी के निवासी है और हमें ऐतिहासिक मीरा महोत्सव में भाग लेने का अवसर मिल रहा है। माँ मीरा के इस महोत्सव को सफल आयोजन को लेकर हम सभी भागीदारी है हम सभी मिलकर इसमें सहयोग करेंगे।

इस दौरान मीरा महोत्सव समिति के अध्यक्ष मुकेश जोशी,उपाध्यक्ष शिवराज चौहान,सचिव धन सिंह राठौड़ रासलियावास,कोषाध्यक्ष घनश्याम डालिया,पूर्व पालिकाध्यक्ष अनिल थानवी, सीपी बिड़ला, भाजपा मंडल अध्यक्ष मोहित माली,भाजपा नेता नवरतनमल सिंघवी।

घरेलू महिला को दो सांपों ने एक साथ काटा(डसा)

रिपोर्टर.... राकेश कोठेनिया भरतपुर... जिले के बयाना क्षेत्र में एक बेहद हैरान करने वाला और सनसनीखेज मामला घटित हुआ है जिसमें घर में साफ सफाई करने के दौरान अचानक से निकले दो जहरीले सांपों (कोबरा एवं धामन) द्वारा महिला को डसा बबीता पत्नी विजेंद्र गुर्जर निवासी रछुआ (यूपी) अपने घर में साफ-सफाई कर रही थी कि तभी अचानक दो सांप निकले और महिला पर हमला कर दिया था। महिला की चीख-पुकार सुनकर परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे और महिला की गंभीर हालत को देखते हुए

नजदीकी जगनेर अस्पताल लेकर गए थे। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद महिला की नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें आगरा रैफर कर दिया था हालांकि परिजन समय गंवाए बिना महिला को लेकर बयाना के अस्पताल पहुंचे थे। दोनों सांपों (कोबरा और धामन) को भी एक प्लास्टिक के कट्टे में बंद कर अस्पताल ले आए थे। अस्पताल परिसर में एक साथ दो सांपों को देखकर वहाँ मौजूद लोगों और नर्सिंग स्टाफ में हड़कंप मचने सहित अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया था। । पीड़ित महिला बबीता को बयाना के अस्पताल में भर्ती कर लिया है जहां उनका इलाज जारी है।

कृष्ण भक्ति में डूबा जयपुर, अनुराधा पौडवाल की स्वर-साधना ने हजारों श्रद्धालुओं को किया भावविभोर

अजय सिंह (चिंटू) जयपुर- गुलाबी नगरी शनिवार को उस समय कृष्णमय हो उठी, जब देश की सुप्रसिद्ध भजन गायिका एवं पद्मश्री सम्मानित अनुराधा पौडवाल ने अपनी मधुर और भावपूर्ण प्रस्तुति से हजारों श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। मानसरोवर स्थित दीप स्मृति ऑडिटोरियम में गुप्त वृन्दावन धाम की ओर से आयोजित भव्य कृष्ण भजन संध्या में आस्था, संगीत और आध्यात्म का ऐसा संगम देखने को मिला, जिसने हर श्रोता के मन को श्रीकृष्ण की भक्ति में डुबो दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत "हरे कृष्ण, हरे राम" महामंत्र के संकीर्तन से हुई। जैसे ही अनुराधा पौडवाल की स्वर लहरियां सभागार में गूंजीं, पूरा ऑडिटोरियम भक्तिमय वातावरण से भर गया। श्रद्धालु भजनों के साथ झूमते, ताली बजाते और हरिनाम का संकीर्तन करते नजर आए। भक्ति का यह दृश्य ऐसा था, मानो जयपुर में स्वयं वृन्दावन की अनुभूति हो रही हो।

अनुराधा पौडवाल ने अपने लोकप्रिय कृष्ण भजनों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर श्रोताओं का मन मोह लिया। उनकी मधुर आवाज, भावपूर्ण गायन और भक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियों ने हर आयु वर्ग के लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कई श्रद्धालु भजनों में इतने तल्लीन हुए कि उनकी आंखें नम हो गईं, जबकि पूरा सभागार "राधे-राधे" और "हरे कृष्ण" के जयघोष से बार-बार गूंजता रहा।

करीब चार दशकों से भारतीय संगीत जगत में अपनी विशिष्ट पहचान बनाए हुए राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और पद्मश्री अनुराधा पौडवाल ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का नाम और भक्ति जीवन में शांति, प्रेम और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है। उन्होंने अपने गायन के माध्यम से श्रद्धालुओं को प्रेम, सेवा और भक्ति का संदेश भी दिया।

इस अवसर पर गुप्त वृन्दावन धाम के अध्यक्ष अमितासना दास ने कहा कि निमार्णाधीन गुप्त वृन्दावन धाम केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि आने वाले समय में श्रीकृष्ण चेतना, हरिनाम संकीर्तन, गौसेवा, प्रसाद वितरण, वैदिक शिक्षा, भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार का वैश्विक केंद्र बनेगा।

यहां प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन, आध्यात्मिक मार्गदर्शन और संस्कारों से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

भजन संध्या में जयपुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। आयोजन के दौरान अनुशासित व्यवस्था, भक्तों का उत्साह और लगातार गूंजते कृष्ण नाम ने पूरे वातावरण को दिव्यता से भर दिया। कार्यक्रम के समापन पर श्रद्धालुओं ने इसे केवल एक संगीत संध्या नहीं, बल्कि आत्मिक शांति और भगवान श्रीकृष्ण से जुड़ने का अविस्मरणीय अनुभव बताया।

गुप्त वृन्दावन धाम के इस आयोजन ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि जब संगीत में भक्ति का भाव जुड़ जाता है, तो वह सीधे हृदय को स्पर्श कर लेता है।

रक्षा बंधन पर महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए 'उद्यमिता विकास मेला' का आयोजन

मेड़ता सिटी।(वैष्णव)/सोहनी देवी काबरा नारी सशक्तिकरण अभियान के तत्वावधान में महिलाओं एवं बालिकाओं में स्वरोजगार और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 14, 15 एवं 16 अगस्त को सोहनी देवी काबरा नारी सशक्तिकरण भवन, सारड़ा बाजार, मेड़ता सिटी में 'उद्यमिता विकास मेला' आयोजित किया जाएगा। अभियान के प्रमुख रामानंद काबरा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस मेले की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि स्टॉल पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। इतना ही नहीं, यदि किसी बहन या बालिका के पास अपने उत्पाद तैयार करने के लिए प्रारंभिक पूंजी का अभाव होगा, तो अभियान उसकी व्यवस्था करने का भी प्रयास करेगा।

उन्होंने कहा कि आज अनेक स्थानों पर मेलों के नाम पर स्टॉल का भारी किराया लिया जाता है, जिससे प्रतिभागियों की कमाई का बड़ा हिस्सा उसी में समाप्त हो जाता है। इस व्यवस्था को बदलने के उद्देश्य से इस मेले में स्टॉल शुल्क नहीं रखा गया है, ताकि महिलाओं को उनके परिश्रम का पूरा लाभ मिल सके। उनका मानना है कि उचित लाभ (मुनाफा) ही वह प्रेरक शक्ति है, जो महिलाओं में आत्मविश्वास जगाकर उन्हें आगे बढ़ने और सफल उद्यमी बनने के लिए प्रेरित करती है।

कार्यक्रम संयोजिका अनीता शर्मा ने बताया कि मेले में लगभग 14-15 स्टॉल लगाए जाएंगे, लेकिन प्रत्येक स्टॉल अपनी विविधता, आकर्षक प्रस्तुति, नवाचार और गुणवत्ता के कारण विशेष होगा। यह मेला 14 अगस्त से 16 अगस्त तक प्रतिदिन प्रातः 11:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक आमजन के लिए खुला रहेगा।

सह-संयोजिका नेहा अग्रवाल ने बताया कि मेले में फिक्स प्राइस (एक समान मूल्य) की व्यवस्था रहेगी, जिससे ग्राहकों को पारदर्शी खरीदारी का अनुभव मिलेगा। आकर्षक सजावट, उत्कृष्ट प्रस्तुति तथा सर्वाधिक बिक्री करने वाले स्टॉल धारकों को सम्मानित भी किया जाएगा।

मेले में एक विशेष फूड कोर्ट भी रहेगा, जहाँ विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट एवं चटपटे व्यंजन उपलब्ध होंगे। आयोजकों का विश्वास है कि यह आयोजन न केवल महिलाओं और बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित करेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर उनके उत्पादों को एक प्रभावी बाजार भी उपलब्ध कराएगा।

बनारस में सामाजिक एकता का विराट संगम, कलचुरि महासभा के राष्ट्रीय अधिवेशन का पहला दिन ऐतिहासिक रहा

डॉ उदय शंकर भगत

वाराणसी, 1 अगस्त। अखिल भारतवर्षीय हैहय कलचुरि महासभा के 91वें स्थापना दिवस एवं दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का पहला दिन शनिवार को रुद्राक्ष इंटरनेशनल कॉरपोरेशन एंड कन्वेंशन सेंटर में उत्साह अनुशासन और सामाजिक एकजुटता के अभूतपूर्व वातावरण के बीच संपन्न हुआ देश के विभिन्न राज्यों से हजारों स्वजातीय बंधुओं पदाधिकारियों जनप्रतिनिधियों शिक्षाविदों उद्योगपतियों समाजसेवियों महिलाओं एवं युवाओं की गरिमामयी उपस्थिति ने इस आयोजन को राष्ट्रीय स्तर का ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान किया राष्ट्रीय अध्यक्ष जय नारायण चौकसे की अध्यक्षता एवं उत्तर प्रदेश इकाई के प्रदेश अध्यक्ष अशोक राय के मुख्य संयोजन में आयोजित इस अधिवेशन का शुभारंभ समाज के गौरवशाली इतिहास एवं संगठन की उपलब्धियों के स्मरण के साथ हुआ कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के स्टाम्प एवं न्यायालय शुल्क पंजीयन मंत्री रविन्द्र जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट एम.एल. राय प्रदेश संगठन के पदाधिकारी विभिन्न राज्यों से आए प्रतिनिधि एवं समाज के वरिष्ठजन मंचासीन रहे अधिवेशन के प्रथम दिवस में आयोजित 'खुला मंच' में समाज के समग्र विकास से जुड़े विषयों पर खुलकर विचार रखे गए वक्ताओं ने शिक्षा के प्रसार युवाओं के कौशल विकास एवं रोजगार व्यवसायिक उन्नयन राजनीतिक भागीदारी महिला सशक्तिकरण सामाजिक समरसता तथा संगठन के विस्तार को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया

इस अवसर पर महासभा की प्रतिष्ठित स्मारिका सहस्त्रदीप का लोकार्पण भी किया गया जिसमें समाज की गतिविधियों उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं का विस्तृत दस्तावेज प्रस्तुत किया गया कार्यक्रम का एक विशेष आकर्षण युवक-युवती परिचय सम्मेलन भी रहा, जिसमें देशभर से आए परिवारों एवं युवाओं ने सहभागिता कर सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को नई पीढ़ी से जोड़ने और सामाजिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैंराष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट एम.एल. राय ने कहा कि महासभा केवल सामाजिक संस्था नहीं बल्कि समाज के विकास और राष्ट्रीय चेतना का मजबूत मंच है। वहीं प्रदेश अध्यक्ष एवं मुख्य संयोजक अशोक राय ने सभी राज्यों से आए प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह अधिवेशन समाज की भावी दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा अधिवेशन में राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. एल.एन. मालवीय राष्ट्रीय सचिव एवं मीडिया प्रभारी हरीराम राय जी.सी. जायसवाल वीरेंद्र पप्पू राय राष्ट्रीय महिला इकाई की अध्यक्ष पूनम गुप्ता चौधरी प्रदेश कोषाध्यक्ष सुमित राय प्रदेश उपाध्यक्ष संजय राय सहित देशभर से आए अनेक राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारी और हजारों सामाजिक बंधु उपस्थित रहे महासभा द्वारा संचालित एक पहचान अभियान तथा महेश्वर में प्रस्तावित भगवान राजराजेश्वर सहस्त्रार्जुन धाम के निर्माण जैसे महत्वाकांक्षी सामाजिक अभियानों पर भी चर्चा हुई वक्ताओं ने समाज के प्रत्येक परिवार से संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आह्वान किया

अधिवेशन के दूसरे एवं अंतिम दिन 2 अगस्त को राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होगी जिसमें संगठन विस्तार शिक्षा महिला एवं युवा नेतृत्व व्यवसायिक विकास तथा समाज के दीर्घकालिक रोडमैप पर विस्तृत मंथन किया जाएगा। समापन अवसर पर सामूहिक सहभोज एवं बाहर से आए प्रतिनिधियों के लिए काशी विश्वनाथ धाम दर्शन की भी व्यवस्था की गई है।

गंगापुर में 16 साल बाद मिला न्याय, सौंपा दुकानो का कब्जा

प्रभुराम चौधरी बिजोवा गंगापुर न्यायालय अपर जिला न्यायाधीश महोदय अनिता टेलर द्वारा पारित आदेश की पालना मे लंबित सबसे पुराने प्रकरण में शनिवार को दोपहर करीब 12.00 बजे न्यायालय के सहायक नाजिर नवीन विश्नोई व प्रोसेस सर्वर रेवत सिंह चुण्डावत गंगापुर में कैलाश टॉकिज के पास स्थित बंद दुकान के बाहर डिक्रीदार विनोद पिता श्यामलाल लढ़ा निवासी गंगापुर मय अधिवक्ता सुनिल कुमार जैन व इनके अधिनस्थ अधिवक्ता के साथ वादग्रस्थ स्थल दुकान पर आये। डिक्रीदार लढ़ा को न्यायालय के सहायक नाजिर व प्रोसेस सर्वर द्वारा बंद दुकान को चाबी के माध्यम से खोलकर आमजन की उपस्थिती में दुकान का कब्जा डिक्रीदार को मौके पर सुपुर्द करवाया गया। डिक्रीदार को न्यायालय द्वारा पारित आदेश की पालना में दुकान की दोनो चांबीया सुपुर्द कर दी ।मामला न्यायालय में विगत 15 वर्ष से अधिक समय से लंबित रहा है डिक्रीदार विनोद कुमार लढ़ा में सन् 2005 में इकरारनामा के माध्यम से गीता देवी माली से 02 दुकाने क्रय की थी लेकिन दोनो दुकानों की रजिस्ट्री नही करवाने से डिक्रीदार ने न्यायालय में वाद दायर किया जिसको न्यायालय ने डिक्रीदार के पक्ष में निर्णित किया इसके बाद भी गीता देवी माली के वारिसान ने डिक्रीदार को रजिस्ट्री नही करवाई जिससे डिक्रीदार को न्यायालय द्वारा रजिस्ट्री करवाकर मौके पर दुकान का कब्जा सुपुर्द करवाया गया। डिक्रीदार की ओर से न्यायालय में पैरवी सुनिल कुमार जैन अधिवक्ता द्वारा की गई। इस फैसले को लेकर नगर में चर्चा का बाजार गर्म रहा।

कलश वंदन अभियान जिला स्तर शुरू

डॉ उदय शंकर भगत वाराणसी ' महानगर की एक आवश्यक बैठक महानगर कार्यालय गुलाब बाग में संपन्न हुई इस बैठक में आगामी सांगठनिक व सामाजिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने हेतु महानगर के पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्षों ने भाग लिया बैठक की अध्यक्षता करते हुए महानगर अध्यक्ष प्रदीप अग्रहरि ने आगामी अभियानों की जानकारी साझा की उन्होंने बताया कि अगस्त माह में गुरु रविदास महाराज कलश वंदन अभियान' का द्वितीय चरण जिला स्तर पर शुरू किया जा रहा है। इसका उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुँच बनाना और स्थानीय मंदिरों संत-महात्माओं तथा सामाजिक नेतृत्व की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना है इस अभियान के तहत सभी मंडलों के प्रमुख मंदिरों एवं धार्मिक स्थलों पर जिला स्तरीय कलश वंदन संत सम्मेलन समाज संपर्क और सामाजिक समरसता के विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे अभियान के संयोजक अशोक जाटव ने कलश वंदन कार्यक्रम के विस्तृत क्रियान्वयन की जानकारी दी। वहीं काशी सांसद प्रतियोगिता' के संदर्भ में संयोजक आत्माविश्वेश्वर ने भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला इसके अतिरिक्त, आगामी 'तिरंगा यात्रा' के संयोजक मधुकर चित्रांश ने यात्रा की तैयारियों और रूपरेखा से सभी को अवगत कराया बैठक का कुशल संचालन नवीन कपूर ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन अशोक पटेल द्वारा व्यक्त किया गया

बैठक में मुख्य रूप से चंद्रशेखर उपाध्याय आलोक श्रीवास्तव प्रमील पाण्डेय प्रीति सिंह अनुराग शर्मा दिलीप चौहान सोमनाथ यादव विवेक पाण्डेय मनोज सोनकर मुकेश गुप्ता जितेंद्र पटेल तारकेश्वर गुप्ता 'बंटी' साधना वेदांती रचना अग्रवाल गीता शास्त्री बृजेश चौरसिया मधुप सिंह अशोक यादव योगेश वर्मा पंकज चतुर्वेदी अमित श्रीवास्तव अनिल तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अभियान के तहत शिविर लगाकर टीवी का हुआ जांच व दवा वितरण

डॉ उदय शंकर भगत

वारणसी राजातालाब। आराजीलाइन विकासखंड के कोरौती स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में शुक्रवार को टीबी मुक्त पंचायत अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग पीरामल फाउंडेशन एवं जीएमआर वरलक्ष्मी फाउंडेशन के संयुक्त सहयोग से विशेष डिजिटल एक्स-रे एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया।शिविर में ग्रामीणों की डिजिटल एक्स-रे जांच के साथ सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण भी किए गए जीएमआर वरलक्ष्मी फाउंडेशन की चलित चिकित्सा इकाई द्वारा चिकित्सकीय परामर्श जांच एवं आवश्यकतानुसार

निःशुल्क दवाओं का वितरण किया गया।टीबी के संभावित लक्षण वाले लोगों के बलगम की जांच के लिए स्वास्थ्य केंद्र भेजने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई स्वास्थ्य विभाग से सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी नीलू यादव तथा आशा कार्यकर्ता कमलावती देवी पूजा देवी एवं बिंदा देवी ने ग्रामीणों को शिविर तक लाने और टीबी के प्रति जागरूक करने में सक्रिय भूमिका निभाई जीएमआर वरलक्ष्मी फाउंडेशन से प्रशांत कुमार पांडेय डॉ. नितिन राजपूत मनवेंद्र कुमार सिंह अशोक कुमार पटेल एवं संतोष कुमार उपस्थित रहे पीरामल फाउंडेशन की ओर से करुणा फेलो पायल सिंह सेजल गुप्ता एक्स-रे तकनीशियन परवीन नायक एवं कार्यक्रम प्रमुख अवनीश रॉय ने शिविर संचालन में सहयोग किया।शिविर में ग्रामीणों को टीबी के लक्षण बचाव, समय पर जांच और नियमित उपचार के महत्व की जानकारी दी गई बताया गया कि समय पर पहचान और पूर्ण उपचार से टीबी को नियंत्रित कर संक्रमण रोका जा सकता है ।

स्थानीय निकाय चुनावों के लिए टोंक कांग्रेस ने कसी कमर, जिलाध्यक्ष और प्रभारियों ने कार्यकर्ताओं में फूंकी जान

टोंक। आगामी नगर निकाय और पंचायती राज चुनावों को लेकर शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। जिलाध्यक्ष सऊद सईदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में संगठन प्रभारी व आमेर विधायक प्रशांत शर्मा तथा सह-प्रभारी डॉ. सुमित गर्ग ने कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद किया।प्रभारी प्रशांत शर्मा ने दोटूक शब्दों में कहा कि चुनावों में किसी भी तरह की गुटबाजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सह-प्रभारी डॉ. सुमित गर्ग ने साफ किया कि टिकट केवल 'जिताऊ' और बूथ स्तर पर मजबूत पकड़ रखने वाले कार्यकर्ताओं को ही मिलेगा। जिला मीडिया प्रभारी जर्रार खान ने बताया कि बैठक में पूर्व जिला अध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा सहित ब्लॉक अध्यक्ष और अग्रिम संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के बाद दावेदारों ने प्रभारियों को अपने बायोडाटा सौंपे।

माध्यमिक शिक्षकों ने लंबित समस्याओं के समाधान को लेकर किया धरना-प्रदर्शन सौंपा ज्ञापन

डॉ उदय शंकर भगत

वाराणसी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षकों की विभिन्न लंबित मांगों को लेकर शनिवार को जिला विद्यालय निरीक्षक डीआईओएस कार्यालय परिसर में शिक्षकों ने धरना-प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिला विद्यालय निरीक्षक को सौंपा शिक्षकों ने सरकार से पुरानी पेंशन बहाल करने सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने लंबित स्थानांतरण प्रकरणों का निस्तारण करने तथा अन्य समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की धरने की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डॉ. उमेश सिंह ने की जबकि संचालन जिला मंत्री अंजनी कुमार सिंह एवं डॉ. आनंद सिंह ने संयुक्त रूप से किया कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह पटेल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

धरने को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि प्रदेश सरकार को पुरानी पेंशन योजना हर हाल में बहाल करनी चाहिए उन्होंने माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड अधिनियम की धारा 12, 18 एवं 21 को पुनर्स्थापित करने तदर्थ शिक्षकों का विनियमितीकरण करने तथा वित्तविहीन शिक्षकों की सेवा सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई उन्होंने कहा कि शिक्षकों की वर्षों पुरानी

समस्याओं का समाधान न होने से उनमें निराशा और असंतोष बढ़ रहा है इस अवसर पर डॉ. उमेश सिंह डॉ. आनंद सिंह तथा अंजनी कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय की कार्यप्रणाली में सुधार शिक्षकों के अवशेष देयों का समयबद्ध भुगतान तथा प्रशासनिक पत्रावलियों के अनावश्यक विलंब को समाप्त किया जाना आवश्यक है जिससे शिक्षकों और कर्मचारियों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े ज्ञापन में शिक्षकों ने प्रमुख रूप से पुरानी पेंशन योजना की बहाली शिक्षा सेवा अधिनियम-2023 में संशोधन वित्तविहीन शिक्षकों को सम्मानजनक मानदेय एवं सेवा सुरक्षा तदर्थ शिक्षकों का विनियमितीकरण एनपीएस की धनराशि का जीपीएफ में अंतरण सेवानिवृत्त शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा योजना का लाभ त्रिस्तरीय एसीपी व्यावसायिक एवं कंप्यूटर शिक्षकों को पूर्ण शिक्षक का दर्जा एनपीएस राज्यांश समय पर जमा कराने तथा वर्ष 2014 के बाद नियुक्त शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को सामूहिक जीवन बीमा का लाभ देने सहित कई मांगें रखीं धरना-प्रदर्शन में सुधीर दुबे अनिल वर्मा अग्नि कुमार सिंह सत्येंद्र कुमार राय चंद्रप्रकाश गुप्ता, डॉ. राजेश कुमार यादव डॉ. रविंद्र कुमार पांडे केशचंद्र सिंह डॉ. जितेंद्र कुमार जागृति उपाध्याय रंजीत कुमार राजन चक्रवर्ती सती राम गणेश यादव।

रोजगारपरक कौशल संवर्धन पर ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन

डॉ उदय शंकर भगत

वाराणसी ' श्री अग्रसेन कन्या पी.जी. कॉलेज वाराणसी के बुलानाला परिसर में महाविद्यालय के प्लेसमेंट सेल द्वारा रोजगारपरक कौशल संवर्धन पर एक विशेष ओरिएंटेशन सत्र का आयोजन किया गया जिसका उद्देश्य छात्राओं को उद्योग जगत की वर्तमान आवश्यकताओं से अवगत कराते हुए उनके व्यक्तित्व एवं व्यावसायिक कौशल का विकास करना है ।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता आरोनोफी प्राइवेट लिमिटेड के वरिष्ठ प्रबंधक अभिषेक यादव ने छात्राओं को प्रभावी पोर्टफोलियो निर्माण प्रोफेशनल प्रोफाइल विकसित करने, सॉफ्ट स्किल्स संचार कौशल इंटरव्यू तैयारी टीमवर्क समस्या समाधान क्षमता तथा उद्योग की अपेक्षाओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करने के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की सहायक प्रबंधक अनुज यादव ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है बल्कि व्यावहारिक अनुभव डिजिटल दक्षता, संचार कौशल एवं पेशेवर दृष्टिकोण भी सफलता के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने छात्राओं को अपने शैक्षणिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभवों से जोड़ने तथा निरंतर कौशल विकास के माध्यम से रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया सत्र के दौरान छात्राओं ने विशेषज्ञों से विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे जिनका उत्तर देते हुए उन्होंने करियर निर्माण एवं रोजगार की दिशा में उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया गया कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं ने इस ओरिएंटेशन सत्र को अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक बताया डॉ सोनम चौधरी ने विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी छात्राओं के हित में ऐसे कौशल विकास एवं कॅरियर उन्मुख कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की कार्यक्रम में डॉ. अपर्णा शुक्ला डॉ. वेणु वनिता डॉ. बंदिनी डॉ. रजनी सिंह डॉ. माया गुप्ता डॉ. प्रतिमा त्रिपाठी एवं डॉ. विभा अग्रवाल एवं छात्राएं उपस्थिति रही।

संपूर्ण समाधान दिवस में 285 शिकायतें मिले,22 का मौके पर हुआ निस्तारण

डॉ उदय शंकर भगत वाराणसी राजातालाब। एडीएम पंकज कुमार तथा उप जिलाधिकारी राजातालाब शांतुन कुमार सिनसिनवार ने शनिवार को राजातालाब तहसील पर आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण करने के निर्देश दिए।समाधान दिवस में कुल 285 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिनमें से 22 का मौके पर निस्तारण किया गया शेष मामलों को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया।इस दौरान सड़क नाली राशन कार्ड में नाम जोड़ने-घटाने भूलेख संशोधन नामांतरण वरासत विद्युत और पेयजल से जुड़ी शिकायतें प्रमुख रहीं। पुलिस विभाग से मारपीट रुपये लेकर वापस न करने और अन्य विवादों की शिकायतें भी दर्ज हुईं।मटूका निवासी विजय बहादुर ने बिना वैध आधार के 30 फीट बरामद दर्शाकर नोटिस जारी करने का आरोप लगाया महेंद्र वर्मा ने खतौनी में त्रुटिपूर्ण अंश संशोधन के लिए फर्जी रिपोर्ट भेजे जाने की शिकायत की कचनार निवासी दीनदयाल ने भतीजे द्वारा फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाकर जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की।इस अवसर पर एसडीएम राजातालाब तहसीलदार एसीपी पिंडरा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विवेक हाई स्कूल, मोहाली के छात्रों ने प्रस्तुत किया नाटक 'रेल की बात'; शानदार प्रस्तुति ने दर्शकों का दिल जीता

चंडीगढ़ (अमरपाल नूरपुरी)

विवेक हाई स्कूल (वीएचएस), मोहाली के कक्षा 9 के छात्रों ने टैगोर थिएटर, सेक्टर-18, चंडीगढ़ में 'रेल की बात' नामक नाटक का मंचन किया। इस शानदार प्रस्तुति ने दर्शकों को शुरूआत से अंत तक बांधे रखा। नाटक में भारतीय रेलवे स्टेशन और ट्रेन यात्रा की पृष्ठभूमि के माध्यम से जीवन, भावनाओं और रिश्तों को खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया। साथ ही, देश के अलग-अलग राज्यों से आने वाले रेल यात्रियों के मजेदार प्रसंगों के जरिए "अनेकता में एकता" का संदेश भी दिया गया।

करीब 90 मिनट के इस नाटक में कक्षा 9 के 65 प्रतिभाशाली छात्रों ने अभिनय किया। इसका निर्देशन अलंकार थिएटर के फाउंडर चक्रेश कुमार ने किया। विवेक हाई स्कूल, मोहाली की प्रिंसिपल जसविंदर गंधोक ने कहा कि 'रेल की बात' भारत और यहां के लोगों की विविधता और खूबसूरती को दर्शाने वाला एक जीवंत नाटक है। हास्य, संगीत, नृत्य और भावनात्मक दृश्यों के माध्यम से इस प्रस्तुति ने मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं और हमें जोड़ने वाले मूल्यों को खूबसूरती से दिखाया।

छात्रों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि सभी कलाकारों ने पूरे आत्मविश्वास, बेहतरीन अभिनय और शानदार टीमवर्क का प्रदर्शन किया। उनकी प्रस्तुति को दर्शकों ने खूब सराहा और पूरे नाटक के दौरान तालियों से उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने कहा कि मुझे अपने छात्रों पर गर्व है। हास्य, संगीत, नृत्य, अभिनय और प्रभावशाली कहानी के माध्यम से इस नाटक ने अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोगों के सपनों, संघर्षों, हिम्मत और साझा अनुभवों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। साथ ही, भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और लोगों को जोड़ने वाले मूल्यों को भी खूबसूरती से दर्शाया गया।

भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने पिछले साढ़े चार साल में हर वादा पूरा किया है, हर वर्ग का सहारा बनी है, पार्टी चीफ व्हिप प्रो. बलजिंदर कौर

बठिंडा, : (सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा,) मुख्यमंत्री पंजाब श्री भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार ने पिछले साढ़े चार साल में हर वादा पूरा किया है और समाज के हर वर्ग का सहारा बनी है। चीफ व्हिप कैबिनेट रैंक और तलवंडी साबो की विधायक प्रो. बलजिंदर कौर ने आज पत्रकारों से बात करते हुए यह बयान दिया। इस मौके पर उनके साथ मेयर नगर निगम श्री पदमजीत सिंह मेहता और शुगरफेड के चेयरमैन और लोकसभा क्षेत्र बठिंडा के इंचार्ज श्री नवदीप सिंह जीदा भी मौजूद थे। प्रो. बलजिंदर कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने हमेशा सफाई कर्मचारियों के हितों को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि सरकार सफाई कर्मचारियों की दूसरी पेंडिंग मांगों पर भी गंभीरता से विचार कर रही है और उन्हें धीरे-धीरे हल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि साल 2022 में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद पंजाब में लोगों की भलाई को केंद्र में रखकर कई जनहितैषी योजनाएं लागू की गई हैं।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार ने हर पंजाबी से किया हर वादा पूरा किया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली की योजना लागू की है, जो लगातार जारी है। इससे 80 प्रतिशत से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं के बिल जीरो आ रहे हैं। सरकार किसानों के लिए भी वरदान साबित हुई है, जिन्हें सिंचाई के लिए टेल तक पानी और बिजली की लगातार सप्लाई मिल रही है।

उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार हर सरकारी अस्पताल में 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज दे रही है। यह पहली बार है कि सरकारी अस्पतालों में घुटने बदलने और कूल्हे बदलने का इलाज मुफ़्त में दिया जा रहा है। हेल्थ सेक्टर में, सरकार द्वारा खोले गए आम आदमी क्लीनिक में मुफ़्त दवाएँ और टेस्ट दिए जा रहे हैं। साथ ही, राज्य के लोगों की सेहत का खास ध्यान रखते हुए, सरकार सीएम योगशाला के तहत रोजाना हजारों लोगों को योग करवा रही है।

पंजाब के सरकारी स्कूलों को बेहतर बनाने के लिए स्कूल ऑफ एमिनेंस मॉडल शुरू किया गया।

गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन सेक्टर-20 में 12 दिवसीय यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज इंडक्शन प्रोग्राम का समापन

चंडीगढ़, (अमरपाल नूरपुरी):

सेक्टर-20 डी स्थित गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ एजुकेशन में बी.एड. तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए आयोजित 12 दिवसीय स्टूडेंट्स इंडक्शन प्रोग्राम ऑन यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज (यूएचवी) का शुक्रवार को समापन हो गया। कार्यक्रम का आयोजन 20 जुलाई से 1 अगस्त तक महाविद्यालय के यूएचवी सेल एवं पंजाब विश्वविद्यालय के यूएचवी सेल के संयुक्त तत्वावधान में यूजीसी और एआईसीटीई के दिशा-निर्देशों के अनुरूप किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ 20 जुलाई को महाविद्यालय के डीन डॉ. ए.के. श्रीवास्तव ने किया। उद्घाटन सत्र में विद्यार्थियों को स्टूडेंट्स इंडक्शन प्रोग्राम तथा शिक्षा में यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यूज की अवधारणा से परिचित कराया गया। इस दौरान मूल्य आधारित शिक्षा, समग्र विकास तथा समग्र विकास में शिक्षा की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि निरंतर सुख और समृद्धि की मानवीय आकांक्षाएं समग्र शिक्षा का मूल उद्देश्य हैं।

आज आयोजित हुए समापन सत्र में कॉलेज की प्राचार्य डॉ. सपना नंदा मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। इस अवसर पर यूएचवी विशेषज्ञ एवं इंडो ग्लोबल कॉलेज, मोहाली के प्रोफेसर डॉ. विशाल कुमार ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए जीवन में मानवीय मूल्यों के व्यावहारिक महत्व पर प्रकाश डाला।

बरेका ने रचा नया इतिहास: एक माह में 65 विद्युत रेल इंजनों का रिकॉर्ड निर्माण

डॉ उदय शंकर भगत

वाराणसी ' बनारस रेल इंजन कारखाना (बरेका), वाराणसी ने एक और स्वर्णिम अध्याय जोड़ते हुए जुलाई 2026 के दौरान एक ही माह में रिकॉर्ड 65 विद्युत रेल इंजनों का निर्माण कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह किसी भी वित्तीय वर्ष में एक माह के भीतर बरेका द्वारा किया गया अब तक का सर्वाधिक रेल इंजन उत्पादन है।

इस ऐतिहासिक उपलब्धि के अंतर्गत बरेका ने भारतीय रेल के लिए 44 डब्ल्यूएजी-9एचसी (हअऋ9लऽउ) मालवाहक विद्युत रेल इंजन, 13 डब्ल्यूएपी-7 (हअढ-7) यात्री विद्युत रेल इंजन तथा 8 अमृत भारत विद्युत रेल इंजन का सफलतापूर्वक निर्माण किया। यह उपलब्धि बरेका की उत्कृष्ट उत्पादन क्षमता, अत्याधुनिक तकनीक तथा कर्मचारियों की समर्पित कार्यसंस्कृति का सशक्त प्रमाण है उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व बरेका ने मार्च 2025 में एक माह के दौरान 61 विद्युत रेल इंजनों का निर्माण कर अपना सर्वोच्च मासिक उत्पादन रिकॉर्ड बनाया था, जिसे अब जुलाई 2026 में 65 इंजनों के निर्माण के साथ पीछे छोड़ दिया गया है स्थापना काल से अब तक बरेका द्वारा कुल 11,445 रेल इंजनों का निर्माण किया जा चुका है, जिनमें 3,109 विद्युत रेल इंजन शामिल हैं यह उपलब्धि भारतीय रेल के आधुनिकीकरण एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में बरेका की अग्रणी भूमिका को और सुदृढ़ करती है।

मेक इन इंडिया मेक फॉर द वर्ल्ड" की अवधारणा को साकार करते हुए बरेका अब तक 11 देशों को 182 रेल इंजनों का निर्यात भी कर चुका है इनमें मोजाम्बिक

म्यांमार श्रीलंका सूडान तंजानिया बांग्लादेश माली सेनेगल अंगोला वियतनाम एवं मलेशिया देश शामिल हैं इस ऐतिहासिक सफलता पर बरेका के महाप्रबंधक आशुतोष पंत ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि प्रत्येक कर्मचारी की मेहनत समर्पण टीम भावना तथा उत्कृष्ट कार्य संस्कृति का परिणाम है उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बरेका वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए रेल मंत्रालय द्वारा निर्धारित 468 विद्युत रेल इंजनों के उत्पादन लक्ष्य को भी निर्धारित समय से पूर्व तथा उत्कृष्ट गुणवत्ता के साथ प्राप्त करेगा बरेका की यह नई उपलब्धि न केवल बरेका की उत्कृष्ट उत्पादन क्षमता का परिचायक है बल्कि भारतीय रेल के आधुनिकीकरण आत्मनिर्भर भारत अभियान तथा भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि भी है।

सिर्फ कठोर कानून बनाना किसी समस्या का समाधान नहीं है

मनोज कुमार अग्रवाल

क्या सिर्फ सख्त कानून या सख्त सजा का प्रावधान करने से कोई अपराध रूक सका? बलात्कार हत्या के लिए मृत्यु दंड की सजा का प्रावधान होने के बावजूद इन वारदातों पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका! अंधी व्यवस्था ने उस आरोपी धनंजय को फांसी दी जिस के अपराध को अंजाम देने के खिलाफ पचास संदेह मौजूद हैं। निर्भया जैसी वारदातों को सख्त कानून बनाने के बावजूद नहीं रोका जा सका। फिर परीक्षा लीक को कानून बना कर रोका जा सकेगा?

परीक्षा पेपर लीक की समस्या का स्थायी समाधान तकनीकी सुधार, सख्त कानूनी कार्रवाई, प्रशासनिक पारदर्शिता और परीक्षा प्रणाली के आधुनिकीकरण के समन्वय से ही संभव है। भारत सरकार ने हाल ही में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पेश करके दोषियों के लिए 10 साल तक की जेल और रू.50 लाख तक के जुमार्ने जैसे कड़े प्रावधान किए हैं, लेकिन केवल कानून ही इसका अंतिम इलाज नहीं है।क्या सिर्फ सख्त कानून या सख्त सजा का प्रावधान करने से कोई अपराध रूक सका? बलात्कार हत्या के लिए मृत्यु दंड की सजा का प्रावधान होने के बावजूद इन वारदातों पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका! अंधी व्यवस्था ने उस आरोपी धनंजय को फांसी दी जिस के अपराध को अंजाम देने के खिलाफ पचास संदेह मौजूद हैं। निर्भया जैसी वारदातों को सख्त कानून बनाने के बावजूद नहीं रोका जा सका। फिर परीक्षा लीक को कानून बना कर रोका जा सकेगा? विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा से मोदी सरकार का महत्वपूर्ण विधेयक जो एंटी पेपरलीक को लेकर कानून को सख्त बनाये जाने से सम्बन्धित है ध्वनिमत से पास हो गया है। अब राज्यसभा में यह विधेयक पेश किया जायेगा। वहां भी पास हो ही जायेगा। सरकार का कहना है कि एंटी पेपर लीक कानून को और सख्त बनाने के उद्देश्य से लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 लाया गया है। जिसका उद्देश्य सार्वजनिक परीक्षाओं में पेपर लीक, नकल, संगठित परीक्षा धोखाधड़ी और अन्य अनुचित गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाना है। इस संशोधित कानून में दोषियों के खिलाफ पहले से अधिक कठोर दंड, आर्थिक जुमार्ना और त्वरित न्यायिक प्रक्रिया जैसे प्रावधान शामिल किए गए हैं। सरकार का दावा है कि यह कानून प्रतियोगी परीक्षाओं की विश्वसनीयता बढ़ाएगा और लाखों युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने में मदद करेगा।

आपको पता है कि नीट के पेपर लीक को लेकर जिस प्रकार से देश भर में युवाओं छात्रों में माहौल बना सरकार ने पैदा आक्रोश को दबाने के लिए फौरी उपचार बतौर इस विधेयक को ऐसे समय ड्राफ्ट किया है। तब जबकि जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलित थे और वे केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा मांग रहे थे।

छात्रों, युवाओं के प्रदर्शन व मांगों के बीच धर्मेन्द्र प्रधान का शिक्षामंत्री के पद से इस्तीफा तो हो गया। लेकिन पेपरलीक, परीक्षाओं में अनियमितता शिक्षा व्यवस्था सिर्फ न तो इस्तीफे

से रूकने वाली है और नही उसको लेकर बनाये गए सख्त कानूनों से ही रूकेगा। देश में कानून तो बहुत से हैं। वह चाहे चोरी, छेड़छाड़ का हो, भ्रष्टाचार, रिश्वत लेने-देने, दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा का या हत्या का, खाद्य पदार्थों में मिलावट का हो या नकली दवाएं बेचे जाने का। कानून की कोई कमी इस देश में नहीं हैं। सवाल यह है कि इतने कानूनों के बावजूद व्यवस्था में बदलाव क्यों नहीं हो पा रहा है। क्योंकि यह कतई नहीं माना जा सकता है कि उसी व्यवस्था में शामिल लोगों के बिना पेपरलीक हो सकता है या परीक्षा में अनियमितता हो सकती है।

जहां तक शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली का प्रश्न है, पेपरलीक और परीक्षा में अनियमितता सिर्फ इन कारणों से नहीं होती है कि इन अपराधों के लिए दंडित करने के लिए कोई कानून नहीं है। यह तो व्यवस्था की विसंगतियों और कुछ लोगों के गठजोड़ से अत्यधिक मुनाफा कमाने और कुछ लोगों को अनुचित लाभ दिलाने से जुड़े प्रश्न हैं। यदि कुछ वर्षों में देश में कोचिंग संस्थानों का व्यापार तेजी से बढ़ा है। क्या इसके बारे में भी सरकार ने कभी सोचा है कि आखिर वे कौन से कारण हैं कि देश में शिक्षा की व्यवस्था दिनों दिन गिरती जा रही है। निजी संस्थानों की बाढ़ आ रही है। सरकारी संस्थान डूब रहे हैं। सरकारी स्कूल बंद हो रहे हैं, उनमें शिक्षकों की पर्याप्त व्यवस्था ही नहीं है, संसाधन विहीन है। क्या कारण है कि कोचिंग संस्थान फल-फूल रहे हैं और स्कूल कालेजों में हो रही पढ़ाई उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के अनुकूल नहीं बना पाती है और छात्र अपनी रेगुलर पढ़ाईछोड़कर कोचिंग संस्थाओं में भारी भरकम फीस जमा करके प्रवेश लेते हैं और तैयारी करते हैं। मां बाप और अभिभावक भी बच्चों के भविष्य के लिए सब कुछ दांव पर लगा देते हैं। इसी प्रकार प्रतियोगी परीक्षाओं, प्रवेश परीक्षाओं और नौकरियों के लिए होने वाली परीक्षाओं में भी जब पेपरलीक होता है तो उन छात्रों और युवाओं की पीड़ा देखी जा सकती है जो बड़ी उम्मीदों से तैयारी करते हुए परीक्षाएं देते हैं लेकिन उनका परिणाम नहीं आता है। पेपरलीक होने की वजह से परीक्षा कैसिल हो जाती है। दोबारा जब करायी जाती है तब तक बहुत समय गुजर चुका होता है। धन भी जाता है और बहुत बार आयु भी निकल चुकी होती है। यही कारण है कि जंतर-मंतर पर जो आक्रोश उभर कर सामने आया वह सिर्फ नीट परीक्षा तक सीमित नहीं था और न ही सिर्फ नीट दिए हुए या उससे प्रभावित लोग ही जुटे। यह पूरी व्यवस्था में घुले भ्रष्टाचार का परिणाम था जो वर्षों से धीरे-धीरे सुलग रहा था और जंतर-मंतर पर आकर फूट पड़ा था। सरकार को चाहिए कि शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण और सर्वसुलभ ही न बनाये बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में फैले भ्रष्टाचार पर नकेल डाले जो सिर्फ कानून से नहीं हो सकता है। सवाल तो यह भी है कि आखिर सरकार शिक्षा के लिए बजट में वृद्धि क्यों नहीं करती है कि इसके लिए सरकार के तौर पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुलभ करायी जा सके। इसके लिए शिक्षा व्यवस्था में आमूल-चूल परिवर्तन करना होगा। पेपर लीक को रोकने के लिए प्रमुख रणनीतियों को लागू किया जाना आवश्यक है इसके तहत सबसे पहला कदम आधुनिक तकनीक का उपयोग डिजिटल प्रश्न पत्र वितरणः पेपर को छापने और गाड़ियों में ले जाने के बजाय, परीक्षा से ठीक आधा घंटा पहले केंद्रों पर एन्क्रिप्टेड डिजिटल फाइल भेजी जाए।ब्लॉकचेन और एडवांस एन्क्रिप्शनः प्रश्न पत्रों को सुरक्षित रखने के लिए ब्लॉकचेन तकनीक का उपयोग किया जाए जिससे डिजिटल फाइल में किसी भी छेड़छाड़ का तुरंत पता चल सके।

दूसरा कदम एआई निगरानीः परीक्षा केंद्रों पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कैमरों से रियल-टाइम निगरानी की जाए ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को तुरंत पकड़ा जा सके।डिजिटल ऑडिट ट्रेलः प्रश्न पत्र को कब, किसने और कहाँ से एक्सेस किया, इसका पूरा डिजिटल रिकॉर्ड (लॉग) रखा जाए ताकि जवाबदेही तय हो सके।

तीसरा कदम प्रशासनिक एवं परीक्षा संचालन में सुधार चरणबद्ध ऑनलाइन परीक्षाएं : बड़ी परीक्षाओं (जैसे नीट या बड़ी भर्ती परीक्षाएं) को एक ही दिन कराने के बजाय जेईई मेन्स की तरह कंप्यूटर आधारित टेस्ट के माध्यम से कई सत्रों में आयोजित किया जाए।सुरक्षित प्रिंटिंग कमांडः परीक्षा केंद्रों पर ही हाई-स्पीड बायोमेट्रिक प्रिंटर लगे हों और परीक्षा से कुछ मिनट पहले ऑन-डिमांड प्रिंट कमांड देकर पेपर निकाला जाए।विश्वसनीय पेपर सेटर्स (इंटरनल सिक्योरिटी): आईआईटी मद्रास के निदेशक वी कामाकोटी (पीएम टास्क फोर्स एक्सपर्ट) के अनुसार, लीक अक्सर सोर्स (पेपर बनाने वालों) से ही हो जाता है। इसलिए, प्रश्न पत्र बनाने वाले और उसे मंजूरी देने वाले अधिकारियों की कड़ी पृष्ठभूमि जांच और गोपनीयता अनिवार्य होनी चाहिए।

चौथा कदम सख्त कानूनी और संस्थागत उपाय त्वरित अदालतें और स्पेशल टास्क फोर्सः पेपर लीक मामलों की जांच के लिए स्पेशल टास्क फोर्स का गठन हो और फास्ट-ट्रैक अदालतों के जरिए दोषियों को तुरंत सजा मिले।सर्विस प्रोवाइडर्स पर शिकंजाः परीक्षा आयोजित कराने वाली निजी कंपनियों और परीक्षा केंद्रों को गड़बड़ी पाए जाने पर हमेशा के लिए ब्लैकलिस्ट किया जाए और उनकी संपत्ति जब्त की जाए। योग्यता-आधारित रोजगार व्यवस्था डिग्री के बजाय स्किल टेस्टः यदि सरकारी और निजी नौकरियों में भर्ती का आधार केवल एक लिखित परीक्षा या डिग्री न होकर व्यावहारिक योग्यता, कौशल परीक्षण और प्रोजेक्ट पोर्टफोलियो हो, तो एकल परीक्षा का दबाव और उसमें धोखाधड़ी करने की होड़ अपने आप कम हो जाएगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

बेरोजगारों को संबल

देश में युवा मन के सपनों और भविष्य की चिंताओं के मद्देनजर हरियाणा सरकार एक्शन मोड में नजर आ रही है। कहीं न कहीं दिल्ली समेत देश के अन्य राज्यों में हुए छात्र आंदोलन के बाद आज युवा सरकार की नीतियों के केंद्र में हैं। इसी कड़ी में हरियाणा की नायब सरकार ने सीईटी पास युवाओं की सुध ली है। जाहिर है सभी सीईटी पास युवाओं को रोजगार नहीं मिल पाता। कई युवा परीक्षा पास करने के बाद भी वर्षों तक बेरोजगार बने रहते हैं। एक्शन में आई हरियाणा सरकार ने ऐसे पांच लाख चालीस हजार से अधिक बेरोजगार युवाओं की पहचान की है, जिन्हें परीक्षा उत्तीर्ण करने के बावजूद रोजगार नहीं मिला। इसके बाद 'विकसित भारत विजन 2047' के तहत रोजगार, कौशल विकास और औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग तथा हरियाणा कौशल विकास मिशन की बैठक की अध्यक्षता करते हुए इस बात पर बल दिया कि कौशल विकास योजनाओं को सिर्फ प्रशिक्षण तक ही सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें सीधे रोजगार से भी जोड़ा जाए। सरकार ने कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट यानी सीईटी पास युवाओं को प्रति माह सौ घंटे का काम उपलब्ध कराने की घोषणा की है। वहीं दूसरी ओर यदि उन्हें दो साल तक रोजगार नहीं मिलता, तो सक्षम युवा योजना के तहत भत्ता दिया जाएगा। निश्चित रूप से सभी बेरोजगारों को काम व भत्ता देना व्यावहारिक भले नहीं लगे, लेकिन बेरोजगारों की बड़ी संख्या को फौरी तौर पर संबल जरूर मिलेगा। दरअसल, विगत में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के कार्यकाल के दौरान वर्ष 2016 में युवाओं के लिए एक ऐसी ही योजना लाई गई थी, जिसमें सालाना 1 लाख 80 हजार से कम आय वाले परिवार के युवाओं को 9 हजार का मासिक भत्ता देने की बात कही गई थी। वहीं, महीने में निर्धारित समय तक काम देने के भी प्रयास हुए थे। लेकिन वास्तव में ऐसी आदर्श योजना के क्रियान्वयन में व्यावहारिक दिक्कतों को नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। विगत में हरियाणा के युवाओं को प्रकृति से जोड़ने व रोजगार के अवसर मुहैया कराने के अभिनव प्रयास भी मनोहर लाल सरकार के दौरान हुए थे, जिसमें बेरोजगार युवाओं को पौधा लगाने का दायित्व दिया गया था। इसमें गड्ढे खोदने, पौधे लगाने और उनकी निरंतर देखभाल करने के लिए मानदेय निर्धारित किया गया था। उद्देश्य था कि जो पौधे लगें, वे जीवित भी रहें और युवा प्रकृति से जुड़ें। नायब सरकार की नई मुहिम इसी कड़ी का विस्तार माना जा सकता है। वहीं दूसरी ओर, नायब सरकार समय की जरूरतों के हिसाब से शिक्षा देने के प्रयासों में गंभीर नजर आती है। इसी कड़ी में एआई प्रशिक्षण पर जोर दिया जा रहा है। सरकार पंचकूला व गुरुग्राम में एआई हब विकसित करने जा रही है, जिसके अंतर्गत दो लाख युवाओं को हाई-स्किल ट्रेनिंग दी जाएगी।

चिंतन-मनन

व्यक्ति-निर्माण समाज पर निर्भर

व्यक्ति का निर्माण केवल उसी पर नहीं, बहुत कुछ अंशों में समाज पर निर्भर है।इसलिए उसे अपने निर्माण को समाज के निर्माण में देखना है। सफलता का पहला सूत्र है- मूल्यों का परिवर्तन। समाज का निर्माण मूल्यों के परिवर्तन से ही होता है। स्वार्थ और संग्रह, ये दोनों मूल्य जब विकसित होते हैं तब व्यक्ति पुष्ट होता है और समाज क्षीण। क्षीण समाज में समर्थ व्यक्तित्व विकसित नहीं हो पाते। आज का समाज सही अर्थ में क्षीण है। उसे पुष्ट करने के लिए स्वार्थ और विसर्जन के मूल्यों को विकसित करना जरूरी है। इनसे समाज पुष्ट होगा। पुष्ट समाज में समर्थ व्यक्तित्व पैदा होंगे। क्षीण कोई नहीं होगा। मैंने देखा है स्वार्थ और संग्रह परायण समाज ने अनेक प्रकार की क्रूताओं और अनैतिकताओं को जन्म दिया है। इसे बदलना क्या आज के सामाजिक व्यक्ति का कर्तव्य नहीं है? सफलता का दूसरा सूत्र है- शक्ति का विकास। शक्ति के दो स्रोत हैं- मानसिक विकास और संगठन। मानसिक विकास के लिए धर्म का अभ्यास और प्रयोग करना जरूरी है। संगठन की शक्ति का विस्फोट इतना हुआ है कि अब इसमें कोई विवाद ही नहीं है। हमारे पूज्य भिक्षु स्वामी ने संगठन का मूल्य दो शताब्दी पूर्व ही समझ लिया था। उनके अनुयायियों को क्या उसे अब भी समझना है। वात्सलता और सहानुभूति को विकसित किए बिना संगठन सुदृढ़ नहीं हो सकता। आज सबकुछ शक्ति-संचय के आधार पर हो रहा है। इसलिए संगठन अब अनिवार्य हो गया है। छोटे-छोटे प्रश्न इस महान कार्य में अवरोध नहीं बनने चाहिए। सफलता का तीसरा सूत्र है- शातौर परिवर्तन का यथार्थ-बोध। कुछ स्थितियां देशकालातीत होती है। उन्हें बदलने की जरूरत नहीं है, किंतु देशकाल सापेक्ष स्थितियों का देशकाल के बदलने के साथ न बदलना असफलता का मुख्य हेतु है। परिवर्तन के विषय में युवकों का दृष्टिकोण बहुत स्पष्ट होना चाहिए। बदलना अपने आप में कोई उद्देश्य नहीं है और नहीं बदलना कोई सार्थकता नहीं है। बदलने की स्थिति होने पर बदलना विकास की अनिवार्य प्रक्रिया है।

सडक दुर्घटनाओं की चौंकाती हकीकत

ऋतुपर्ण दवे

भारत में सडक दुर्घटनाओं में कमीं न आना बेहद दुर्भग्यजनक है। कई वर्षों के आधिकारिक सरकारी आंकड़े बताते हैं कि लाख कोशिशों के बावजूद आशातीत सफलता न मिलनाए कहीं न कहीं सडक पर चलने वालों की मनोदशा पर भी निर्भर करता है। इसी चलते हर रोज कहीं न कहीं से भीषण सडक दुर्घटनाओं के दुखद समाचार मिल ही जाते हैं। भारत सरकार की परिभाषा में एक से ज्यादा लोगों की मौत को भीषण सडक हादसा माना जाता है। सडक हादसों में बेवजह लाखों जान हर वर्ष जाती है।

यदि केवल किसी एक वर्ष के डेटा पर नजर डालें तो काफी चिंताजनक स्थिति है। वर्ष 2023 के आंकड़े ही लें तो दुर्घटनाओं की भयावह तस्वीर उभरती है। इस वर्ष 68783 हिट एण्ड रन मामलों में 31209 मौतें हुईं जबकि 54574 लोग घायल हुए। सभी तरह की दुर्घटनाओं का विश्लेषण काफी सोचने और डराने को मजबूर करता है। इसी वर्ष सडक पर खड़े वाहनों से टकराकर 13810 दुर्घटनाओं में 5636 मौतें और 12575 घायल हुए। पीछे से टकराने की दुर्घटनाओं में 36804 मौतें 107161 घायल हुए। साइड से टक्कर की 73805 घटनाओं में 20623 मौतें और 74017 घायल हुए। सडक से नीचे गिरने की 21527 घटनाओं में 10196 लोगों की मृत्यु हुईए 20719 घायल हुए। स्थिर वस्तु से टकराने की 17451 घटनाओं में 8291 मृत्यु और 16416 घायल हुए। जबकि वाहन पलटने की 18905 घटनाओं में 9124 की मृत्यु और 21216 घायल हुए। वहीं आमने.सामने की टक्कर की 84348 दुर्घटनाओं में 28989 की मृत्यु और 89867 घायल हुए। अन्य दुर्घटनाओं में 71298 घटनाओं में 22109 की मृत्यु हुई जबकि घायलों की संख्या 66280 रही। इस तरह केवल 2023 में 480583 दुर्घटनाओं में 172890 मौतें और 462825 दुर्घटना का शिकार हुए जो अन्य क्षति छोडकरए मानवीय हैं।

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि ज्यादातर दुर्घटनाएँ तेज गतिए बिना हेलमेटए वाहनों के बीच बिना सुरक्षित दूरीए सुस्तीए नींद के झोंकेए वाहन चलाते समय धूम्रपानए शराब या किसी अन्य नशे में होने से दुर्घटनाएँ होती हैं। रात में हमारे वाहन के हेडलाइट्सए टेल लाइट्स और इंडिकेटर्स खराब होने या काम नहीं करनेए टायरों पर ध्यान नहीं देने और ज्यादा पुरानेए घिसेए कटे.फटेए क्रैक्स से भरपूर टायरों का उपयोगए बरसात के मौसम में घिसे टायरों पर ट्रैक्शन कम होने से वाहन फिसलने और प्रायः ब्रेक नहीं लगने से भी दुर्घटनाएं आम हैं। ब्रेक की नियमित जांच से कई तरह की दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। वाहन चलाते समय मोबाइल पर बातें भी ध्यान भटकाता है। गंतव्य तक पहुंचने की जल्दी में आगे निकलने की होड़ और ओवर टेक भी वजह है। छोटी सडकों पर ध्यान नहीं देना कि कहीं सामने दूसरा वाहन तो नहीं आ रहाघ जबकि हाइवे पर इंडीकेटर का सही उपोयग नहीं करना दुर्घटनाओं का सबब बनता है।

ओवरटेक की होड़ से भी दुर्घटनाएँ होती हैं। यह सभी वो छोटे.छोटे उपाय व यातायात के नियम हैं जिन्हें हम जानते तो हैं पर अमल में नहीं लाते हैं। थोड़ी सतर्कताए थोड़ी सजगता से बड़ी.बड़ी दुर्घटनाओं को टाला जा सकता है। इसीलिए यातायात विभाग का बेहद लोकप्रिय नारा है दुर्घटना से देर भली।

अन्नदाता, हरित ऊर्जा और युवा शक्ति को नई उड़ान

विनोद कुमार सिंह

केंद्रीय मंत्रिमंडल के तीन बड़े निर्णयों से विकसित भारत की आधारशिला होगी और सुदृढ़...

विकसित भारत का निर्माण केवल ऊँची आर्थिक विकास दर से नहीं होता, बल्कि उसकी वास्तविक पहचान इस बात से होती है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक किस सीमा तक पहुँचता है। जब किसान आर्थिक रूप से सशक्त हो, ऊर्जा के स्रोत पर्यावरण के अनुकूल हों और युवा अपनी प्रतिभा के बल पर विश्व मंच पर देश का गौरव बढ़ाने में सक्षम हो, तभी विकास समावेशी और टिकाऊ बनता है। 31 जुलाई 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में लिए गए तीन महत्वपूर्ण निर्णय इसी व्यापक सोच और दूरदृष्टि का परिचय देते हैं।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री किसान सम्माननिधि(पीएम- किसान)योजना को अगले पाँच वर्षों तक जारी रखने के लिए लगभग 3.15 लाख करोड़ रुपये के परिव्यय को मंजूरी दी है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना के लिए 5,070 करोड़ रुपये तथा खेलो इंडिया मिशन के नए चरण को भी स्वीकृति प्रदान की गई है। लगभग 3.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक के इन संयुक्त वित्तीय निर्णयों से स्पष्ट है कि सरकार कृषि, हरित ऊर्जा और युवा शक्ति को विकसित भारत की तीन प्रमुख आधारशिलाओं के रूप में देख रही है।प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना आज देश के करोड़ों किसानों के लिए केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि कृषि क्षेत्र में स्थिरता और विश्वास का आधार बन चुकी है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक पात्र किसान परिवार को प्रतिवर्ष 6,000 रुपये तीन समान किस्तों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से उपलब्ध कराए जाते हैं। आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार अब तक 11 करोड़ से अधिक पात्र किसान परिवार इस योजना से लाभान्वित हो चुके हैं तथा उनके बैंक खातों में 3.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे हस्तांतरित की जा चुकी है। दुनिया की सबसे बड़ी प्रत्यक्ष आय सहायता योजनाओं में शामिल यह कार्यक्रम पारदर्शिता और तकनीक आधारित सुशासन का भी प्रभावी उदाहरण बन गया है। भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि आज भी सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है।देश की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से खेती और उससे जुड़े व्यवसायों पर निर्भर है। ऐसे में किसान की आय में स्थिरता केवल कृषि उत्पादन तक सीमित नहीं रहती,बल्कि उसका सकारात्मक प्रभाव ग्रामीण बाजार,लघु उद्योग,कृषि यंत्र, उर्वरक, बीज,परिवहन और स्थानीय व्यापार तक दिखाई देता है। यही कारण है कि कृषि क्षेत्र में किया गया प्रत्येक निवेश ग्रामीण अर्थव्यवस्था के अनेक पहियों को गति देता है।पीएम-किसान योजना की सबसे बड़ी उपलब्धि इसकी पारदर्शी कार्यप्रणाली है।प्रत्यक्ष लाभ अंतरण व्यवस्था ने बिचौलियों की भूमिका लगभग समाप्त कर दी है। सहायता राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में पहुँचने से न केवल भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा है, बल्कि किसानों का सरकारी योजनाओं के प्रति विश्वास भी बढ़ा है।डिजिटल इंडिया अभियान की सफलता का यह एक सशक्त उदाहरण माना जा सकता है।हालाँकि केवल आय सहायता ही कृषि की सभी चुनौतियों का समाधान नहीं है। खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए सिंचाई, प्राकृतिक खेती, आधुनिक तकनीक,कृषि अनुसंधान,मूल्य संवर्धन,भंडारण और बेहतर विपणन व्यवस्था पर समान रूप से निवेश आवश्यक है। यदि इन क्षेत्रों में भी समान गति से सुधार आगे बढ़ता है, तो पीएम-किसान योजना का प्रभाव और अधिक व्यापक होगा।केंद्रीय मंत्रिमंडल का दूसरा महत्वपूर्ण निर्णय प्रधानमंत्री सूर्य सरोवर योजना है। लगभग 5,070 करोड़ रुपये की इस योजना का उद्देश्य देशभर में जलाशयों,बाँधों और सरोवरों पर फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं का विकास करना है। ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से यह निर्णय अत्यंत दूरगामी महत्व रखता है।आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। औद्योगिकीकरण, डिजिटलीकरण और शहरीकरण के कारण बिजली की माँग निरंतर बढ़ रही है। दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन और कार्बन उत्सर्जन की चुनौती यह संकेत देती है कि ऊर्जा उत्पादन के स्वच्छ स्रोतों का तेजी से विस्तार समय की आवश्यकता है।फ्लोटिंग सोलर परियोजनाएँ इस दिशा में एक अभिनव समाधान प्रस्तुत करती हैं। जलाशयों की सतह पर स्थापित सौर पैनलों से स्वच्छ बिजली का उत्पादन बढ़ता है, भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता कम होती है तथा जल के वाष्पीकरण में भी उल्लेखनीय कमी आती है।इस प्रकार एक ही परियोजना ऊर्जा उत्पादन और जल संरक्षण–दोनों उद्देश्यों की पूर्ति करती है।भारत ने पिछले एक दशक में नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर उल्लेखनीय पहचान बनाई है।सूर्य सरोवर योजना उस यात्रा को नई गति प्रदान करेगी और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका को और मजबूत बनाएगी।सूर्य सरोवर योजना का महत्व केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं है।यह भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता,पर्यावरण संरक्षण और जल संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग की दिशा में एक दूरदर्शी पहल है। आज पूरी दुनिया स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ रही है। भारत ने वर्ष 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है और 2030 तक गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि का संकल्प लिया है। ऐसे समय में जलाशयों पर फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं का विस्तार इस राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इनके लिए अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं पड़ती। इससे कृषि योग्य भूमि सुरक्षित रहती है। जलाशयों की सतह पर लगे सौर पैनल पानी के वाष्पीकरण को कम करते हैं, जिससे जल संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है।साथ ही जल की ठंडक के कारण सौर पैनलों की कार्यक्षमता में भी सुधार होता है। इस प्रकार यह योजना ऊर्जा, पर्यावरण और जल प्रबंधन–तीनों क्षेत्रों में एक साथ सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करने की क्षमता रखती है। केंद्रीय मंत्रिमंडल का तीसरा महत्वपूर्ण निर्णय खेलो इंडिया मिशन के नए चरण को स्वीकृति देना है।पिछले एक दशक में भारत के खिलाड़ियों ने ओलंपिक,पैरालंपिक, एशियाई खेलों और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ अर्जित की हैं।इन सफलताओं के पीछे खेल अवसंरचना का विस्तार,प्रतिभा पहचान, वैज्ञानिक प्रशिक्षण और खिलाड़ियों को संस्थागत सहयोग उपलब्ध कराने की नीति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। खेलो इंडिया मिशन के नए चरण का उद्देश्य देशभर में खेल संस्कृति को और मजबूत करना, ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों से प्रतिभाओं की पहचान करना, महिला खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ाना तथा खेल विज्ञान, पोषण, खेल चिकित्सा और आधुनिक प्रशिक्षण प्रणाली को और सुदृढ़ बनाना है।भारत यदि वर्ष 2036 के ओलंपिक आयोजन की अपनी महत्वाकांक्षा को साकार करना चाहता है, तो ऐसी योजनाएँ आधारभूत भूमिका निभाएँगी।वास्तव में इन तीनों निर्णयों का सामूहिक विश्लेषण किया जाए तो स्पष्ट होता है कि सरकार ने विकास की ऐसी त्रिस्तरीय रणनीति अपनाई है,जिसमें अन्नदाता की आर्थिक सुरक्षा, हरित ऊर्जा के माध्यम से पर्यावरणीय संतुलन और युवा शक्ति के माध्यम से मानव संसाधन विकास को समान महत्व दिया गया है।यही विकसित भारत की वह अवधारणा है जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ सामाजिक समावेशन और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व भी शामिल है।लगभग 3.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक के वित्तीय संकल्प वाले ये निर्णय केवल बजटीय घोषणाएँ नहीं हैं,बल्कि देश के भविष्य में किया गया दीर्घकालिक निवेश हैं। कृषि क्षेत्र में स्थिर आय, स्वच्छ ऊर्जा का विस्तार और खेल प्रतिभाओं का विकास–ये तीनों मिलकर भारत की उत्पादक क्षमता,सामाजिक पूंजी और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकते हैं।

फिर भी यह स्वीकार करना होगा कि किसी भी नीति की वास्तविक सफलता उसकी घोषणा में नहीं, बल्कि उसके प्रभावी क्रियान्वयन में निहित होती है।प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ प्रत्येक पात्र किसान तक पहुँचे, सूर्य सरोवर योजना की परियोजनाएँ समयबद्ध ढंग से पूरी हों और खेलो इंडिया मिशन के अंतर्गत तैयार होने वाली सुविधाएँ वास्तव में खिलाड़ियों तक पहुँचें - यही इन निर्णयों की सफलता का वास्तविक पैमाना होगा।

केंद्र और राज्य सरकारों के बीच बेहतर समन्वय, नियमित निगरानी और पारदर्शी कार्यप्रणाली इन योजनाओं को अपेक्षित परिणाम तक पहुँचाने में निर्णायक सिद्ध होगी।31 जुलाई 2026 की केंद्रीय मंत्रिमंडल बैठक के निर्णय यह संदेश देते हैं कि भारत अब विकास के ऐसे मॉडल की ओर बढ़ रहा है,जहाँ किसान केवल अन्नदाता नहीं बल्कि आर्थिक विकास का आधार है; स्वच्छ ऊर्जा केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं बल्कि भविष्य की अर्थव्यवस्था की शक्ति है; और युवा केवल रोजगार का आकांक्षी नहीं बल्कि राष्ट्र निर्माण का सक्रिय भागीदार है।यदि इन योजनाओं का क्रियान्वयन घोषित उद्देश्यों के अनुरूप हुआ,तो आने वाले वर्षों में यह दिन भारतीय विकास यात्रा के उन महत्वपूर्ण पड़ावों में याद किया जाएगा, जब सरकार ने कृषि,हरित ऊर्जा और युवा शक्ति–इन तीनों क्षेत्रों को एक साथ नई दिशा देकर विकसित भारत के संकल्प को और अधिक ठोस आधार प्रदान किया।

बजाज फाइनेंस का एआई-आधारित विकास का लक्ष्य

- फिनएआई बदलाव अगले 12-18 माह में पूरा होगा

नई दिल्ली ।

बजाज फाइनेंस ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और फिनटेक पर आधारित एक महत्वाकांक्षी विकास योजना का अनावरण किया है। कंपनी के एक अे धिकारी के अनुसार, यह फिनएआई बदलाव अगले 12-18 महीनों में पूरा होगा, जो अगले 8-10 सालों के लिए जबरदस्त वृद्धि की नींव रखेगा। कंपनी वित्त वर्ष 27 तक 300 से अधिक एआई यूज केस लागू करने की योजना बना रही है। इसके तहत वित्त वर्ष 27 तक परिसंपत्तियों के तहत प्रबंधन (एयूएम) 6.3-6.5 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है, जो अगले 10 वर्षों में 40 लाख करोड़ रुपये हो जाएगा। इससे भारत के कुल ऋण बाजार में कंपनी की हिस्सेदारी लगभग 5 फीसदी रहेगी। कंपनी 20 क्षेत्रों में विस्तार करेगी, जिनमें 13 क्षेत्रों में वित्त वर्ष 30 तक मजबूत वृद्धि की उम्मीद है। लक्ष्यों में वाणिज्यिक व एमएसएमई ऋण एयूएम क्रमशः 1.6 लाख करोड़ व 1.75 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाना, 5.5 करोड़ नए ग्राहक, 17.5 करोड़ ऐप इंस्टॉल और 3.9 करोड़ सालाना बीमा पॉलिसियां शामिल हैं। कंपनी 2500 करोड़ का स्टार्टअप निवेश और आरएंडडी के लिए 250-400 करोड़ रुपये प्रतिबद्ध करेगी, साथ ही 4.5 लाख सोलर फाइनेंसिंग और वित्त वर्ष 30 तक 10 लाख ईवी फाइनेंसिंग के साथ सबसे बड़ी सोलर ऋणदाता बनने का लक्ष्य रखती है।

बजाज फाइनैंस का पहली तिमाही में मुनाफा 29 फीसदी बढ़ा, एसेट क्वालिटी में सुधार

नई दिल्ली ।

भारत की सबसे बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बजाज फाइनैंस ने 30 जून को समाप्त तिमाही (वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही) में मजबूत वित्तीय परिणाम दर्ज किए हैं। कंपनी का एकल शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 5,346 करोड़ रुपये हो गया। यह वृद्धि मुख्य रूप से शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) और गैर-ब्याज आय में प्रभावशाली वृद्धि के कारण हुई है, जिसकी जानकारी कंपनी ने हाल ही में दी। बजाज फाइनैंस की शुद्ध ब्याज आय (एनआईआई) 24 प्रतिशत बढ़कर 11,495 करोड़ रुपये पहुंच गई। इस वृद्धि को परिसंपत्तियों के तहत प्रबंधन (एयूएम) में 23 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि से बल मिला, जो इस तिमाही में एकल आधार पर 4 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया। कंपनी की गैर-ब्याज आय में भी 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो 2,434 करोड़ रुपये रही। तिमाही के दौरान, ऋणदाता के नए ऋणों की संख्या सालाना आधार पर 19 प्रतिशत बढ़कर लगभग 1.6 करोड़ हो गई। कंपनी की संपत्ति गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार आया है। गैर-निष्पादित संपत्तियां (एनपीए) 30 जून, 2026 को घटकर 1.20 प्रतिशत रह गईं, जबकि एक साल पहले यह 1.28 प्रतिशत थीं। इसी तरह, शुद्ध गैर-निष्पादित संपत्तियां 0.63 प्रतिशत से गिरकर 0.49 प्रतिशत पर आ गईं। समग्र आधार पर, बजाज फाइनैंस का शुद्ध लाभ 28 प्रतिशत बढ़कर 6,081 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का ग्राहक आधार सालाना आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 12.4 करोड़ से अधिक हो गया, जबकि इसका समग्र एयूएम 24 प्रतिशत बढ़कर 5.47 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।

आरबीआई ने थोक जमा दरों में बैंकों को दी अधिक छूट एलसीआर से जुड़ेगी ब्याज दर

- एकरूपता का सिद्धांत बरकरार, 1 अक्टूबर से होगी प्रभावी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को थोक जमा (बल्क डिपॉजिट) पर ब्याज दरें तय करने में अधिक लचीलापन दिया है। इस नई व्यवस्था के तहत, बैंक अब अपनी तरलता कवरेज अनुपात (एलसीआर) आवश्यकताओं के आधार पर थोक जमा की तरलता विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग ब्याज दरें निर्धारित कर सकेंगे। हालांकि, आरबीआई ने यह भी स्पष्ट किया है कि एक ही प्रकार की जमा राशि पर मिलने वाली ब्याज दरों में बैंक की सभी शाखाओं और ग्राहकों के लिए एकरूपता का व्यापक सिद्धांत बरकरार रहेगा।

केंद्रीय बैंक के नए निर्देश बैंकों को थोक जमा पर ब्याज दरें तय करने में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाते हैं।

आरबीआई ने कहा है कि बैंक अब एलसीआर ढांचे के तहत जमा या बिना गारंटी वाले थोक फंडिंग पर लागू रन-ऑफ रेट को ध्यान में रखते हुए थोक जमा पर अलग-अलग ब्याज दरें रखने के लिए स्वतंत्र होंगे।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ

सेंसेक्स 166, निफ्टी 66 अंक ऊपर आया

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के साथ ही लिवाली हावी रहने से आई है। आज ऑटोमोबाइल और मीडिया शेयरों में सबसे अधिक उछाल आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 166.49 अंकों की तेजी के साथ ही 78,094.64 के स्तर पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 66.45 अंकों की बढ़त के साथ ही 24,383.60 के स्तर पर बंद हुआ है

आज कारोबार में सेंसेक्स के 30 में से ज्यादातर शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए। वहीं बजाज फाइनेंस , एमएम आडानी पोर्ट और टाटा स्टील के शेयरों में तेजी रही। वहीं दूसरी ओर टीसीएस, इंफोसिस और टेक महिन्द्रा के शेयर गिरे हैं।

आज मिड और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। इससे निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.51 फीसदी तक ऊपर आया जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में भी बढ़त दर्ज की गई। आज ज्यादातर इंडेक्स बढ़त पर बंद हुए हैं। सबसे ज्यादा तेजी निफ्टी मीडिया में रही और यह 2 फीसदी से ज्यादा उछल गया। निफ्टी ऑटो और ऑयल एंड गैस इंडेक्स में भी 1 फीसदी से ज्यादा की बढ़त रही। इसके अलावा निफ्टी मेटल, फार्मा, पीएसयू बैंक, प्राइवेट बैंक, रियल्टी, हेल्थकेयर और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स जैसे इंडेक्स भी लाभ

के साथ बंद हुए। दूसरी तरफ निफ्टी आईटी करीब 1.70 फीसदी तक गिर गया। वहीं निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स में भी 1 फीसदी से ज्यादा की कमजोरी रही।

जानकारों के अनुसार बाजार में आई तेजी के लिए कई कारण जिम्मेदार रहे। विदेशी निवेशकों की लगातार खरीददारी से भी बाजार उछला है। इसके अलावा रुपये में आई मजबूती और दिग्गज कंपनियों के अच्छे परिणामों से भी बाजार को बल मिला। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की अच्छी शुरुआत रही। वित्तीय सेवा और ऑटो सेक्टर के शेयरों में खरीदारी से बाजार ऊपर आया। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 43.30 अंक की बढ़त के साथ 77,971.45 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 भी 33.55 अंक चढ़कर 24,350.70 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया एक पैसे की तेजी के साथ ही 95.49 पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में रुपया 20 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.30 पर बंद हुआ। विदेशी पूंजी प्रवाह और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से भी रुपये को बल मिला। घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि डॉलर के मजबूत होने से रुपये की तेजी सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.40 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में बढ़त के साथ 95.30 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 20 पैसे की मजबूती दिखाता है। रुपया लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में बढ़त दर्ज करते हुए गुरुवार को 26 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.50 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.35 फीसदी की बढ़त के साथ 100.21 पर रहा।

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस का मुनाफा 9 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,488 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। कंपनी ने खर्चों में प्रभावी कटौती और अपनी परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार के दम पर यह प्रदर्शन किया, जबकि इस दौरान उसकी कुल आय में गिरावट आई। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसका शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही के 1,360 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,488 करोड़ रुपये हो गया। भले ही इस अवधि में कंपनी की कुल आय 7,233 करोड़ रुपये से घटकर 7,066 करोड़ रुपये और ब्याज आय 7,113 करोड़ रुपये से 7,024 करोड़ रुपये पर आ गई, लेकिन लाभ में यह वृद्धि खर्चों में प्रभावी कटौती के कारण संभव हुई। समीक्षाधीन तिमाही में कुल खर्च 5,534 करोड़ रुपये से घटकर 5,177 करोड़ रुपये रह गया। इसके अतिरिक्त कंपनी की परिसंपत्ति गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार दिखा। जून, 2026 तक सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) 2.62 प्रतिशत से कम होकर 2.14 प्रतिशत रह गईं। इसी प्रकार, कंपनी का शुद्ध एनपीए भी वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के 1.3 प्रतिशत से घटकर 1.12 प्रतिशत पर आ गया, जो कंपनी की वित्तीय स्थिति को मजबूत दर्शाता है।

चीन की विनिर्माण गतिविधियां जुलाई में अप्रत्याशित रूप से घटीं

– पांच महीने में पहली बार 50 से नीचे आया आधिकारिक पीएमआई

हांगकांग ।

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन की विनिर्माण गतिविधियों में जुलाई माह के दौरान अप्रत्याशित सुस्ती दर्ज की गई है। आधिकारिक क्रय प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) पांच महीने में पहली बार संकुचन के दायरे में आ गया है, जिससे व्यापक आर्थिक वृद्धि पर दबाव बढ़ने की आशंका है। चीन के राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, आधिकारिक विनिर्माण पीएमआई जून के 50.3 से गिरकर जुलाई में 49.2 पर आ गया, जो अर्थशास्त्रियों के अनुमान से भी कमजोर रहा। पीएमआई का 50 से नीचे का स्तर गतिविधियों में संकुचन का संकेत देता है। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि नए ऑर्डर का उप-सूचकांक भी जून के 51.2 से जुलाई में 48.5 पर आ गया, जो 2023 के बाद का सबसे निचला स्तर है।

वहीं उत्पादन का उप-सूचकांक 51.4 से घटकर 49.9 पर पहुंच गया। यह गिरावट चीन की अर्थव्यवस्था के लिए साल की दूसरी छमाही के शुरुआती आर्थिक आंकड़ों के लिहाज से उत्साहजनक नहीं है, जैसा कि आईएनजी बैंक के एक मुख्य अर्थशास्त्री ने बताया। चीन की अर्थव्यवस्था लंबे समय से घरेलू खर्च और निवेश में सुस्ती के दबाव में है।

भारतीय शेयर बाजार में बड़ा बदलाव, ट्रेडिंग का समय बढ़ा

– एफएंडओ सेगमेंट में पारदर्शिता बढ़ेगी, नियम, 3 अगस्त से होंगे प्रभावी

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में 3 अगस्त से फ्यूचर एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) और इक्विटी कैश सेगमेंट में कई बड़े बदलाव लागू होने जा रहे हैं। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बाजार में पारदर्शिता बढ़ाने, क्लोजिंग प्राइस को अधिक सटीक बनाने और निवेशकों को बेहतर ट्रेडिंग अनुभव देने के उद्देश्य से ये नए नियम जारी किए हैं। शेयर बाजार में निवेश करने वाले या एफएंडओ में ट्रेडिंग करने वाले सभी निवेशकों के लिए इन बदलावों को समझना बेहद जरूरी है। सेबी के नए सर्कुलर के अनुसार एफएंडओ ट्रेडिंग का समय अब शाम 3:30 बजे की बजाय 3:40 बजे तक जारी रहेगा, जिससे ट्रेडर्स को अपनी पोजीशन एडजस्ट करने के लिए अतिरिक्त 10 मिनट मिलेंगे। हालांकि, जिन शेयरों में एफएंडओ कॉन्ट्रैक्ट हैं, उनके कैश मार्केट में सामान्य ट्रेडिंग दोपहर 3:15 बजे तक ही होगी। इसके बाद इन शेयरों के लिए एक नई प्रक्रिया, क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) शुरू की जाएगी।

वहीं जिन शेयरों में एफएंडओ कॉन्ट्रैक्ट नहीं हैं, उनकी ट्रेडिंग पहले की तरह 3:30 बजे तक चलेगी और उनके लिए मौजूदा नियम ही लागू रहेंगे। सीएएस एक विशेष प्रक्रिया है जिसके जरिए बाजार बंद होने से पहले एफएंडओ वाले शेयरों का अंतिम क्लोजिंग प्राइस तय किया जाएगा। इस सेशन में खरीदार और विक्रेता के ऑर्डरों का मिलान कर एक संतुलित मूल्य निकाला जाएगा, जिसे उस दिन का क्लोजिंग प्राइस माना जाएगा।

नए नियमों के तहत एफएंडओ शेयरों के कैश सेगमेंट में क्लोजिंग प्राइस अब वॉल्यूम वेटेड एवरेज प्राइस के बजाय इसी सीएएस से तय होने वाले इक्विलिब्रियम प्राइस पर आधारित होगा। हालांकि, स्टॉक फ्यूचर्स के लिए वीडब्ल्यूएपी प्रणाली जारी रहेगी, लेकिन इसकी गणना अब 3:10 बजे से 3:40 बजे के बीच के डेटा के आधार पर होगी।

महिंद्रा समूह अनिश्चितता के दौर में अपनाएगा आक्रामक रुख,वृद्धि को मिलेगी रफ्तार

- चेयरमैन आनंद महिंद्रा बोले, भू-राजनीतिक उथल-पुथल में तैयार कंपनियां लेती हैं निर्णायक बढ़त

मुंबई ।

महिंद्रा समूह अब वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता के इस दौर में आक्रामक रवैया अपनाएगा, जिससे निवेश, नवाचार और क्रियान्वयन को गति मिलेगी। चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने कहा कि अच्छी तैयारी वाली कंपनियों के लिए ये चुनौतियां बढ़त हासिल करने के अवसर पैदा करती हैं। आनंद महिंद्रा ने स्पष्ट किया कि आक्रामकता बेतहाशा गति नहीं, बल्कि तैयारी, आत्मविश्वास और क्षमता के साथ रणनीतिक गति बढ़ाना है।

उन्होंने फॉर्मूला ई-रेसिंग का उदाहरण दिया, जहाँ अनिश्चित परिस्थितियों में भी तैयार ड्राइवर निर्णायक बढ़त बना सकता है। उन्होंने बताया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था का मंथन अब दूसरे चरण में है, जहाँ आपूर्ति श्रृंखला, भू-राजनीति और व्यापार मॉडल में व्यवधान दीर्घकालिक पुनर्संरचना का हिस्सा हैं।

महिंद्रा के अनुसार, भारत और समूह दोनों इन चुनौतियों से मजबूत उभरे हैं।

भारत का विशाल घरेलू बाजार, प्रतिभा, राजनीतिक स्थिरता और विनिर्माण क्षमताएं उसे वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय भागीदार बना रही हैं।

जैसे, भारत अब दुनिया के एक चौथाई आईफोन का उत्पादन करता है, जो वैश्विक विनिर्माण में उसकी बढ़ती भूमिका का प्रमाण है।

सोने में गिरावट के बावजूद निवेशकों को ढाई गुना लाभ

मुंबई।

सोने की कीमतों में हालिया गिरावट के बावजूद निवेशकों का भरोसा इस कीमती धातु पर बना हुआ है। वर्ष 2023 में लगभग 60 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार करने वाला सोना वर्ष 2026 में करीब 1.43 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया है। इस अवधि में लंबी अवधि के निवेशकों को लगभग ढाई गुना का लाभ मिला है। विशेषज्ञों का कहना है, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई, भू-राजनीतिक तनाव और केंद्रीय बैंकों द्वारा लगातार सोने की खरीद ने इसकी कीमतों को मजबूती बनाकर रखी है। बाजार में अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशक सोने को सुरक्षित निवेश मान रहे हैं। वित्तीय

सलाहकारों के अनुसार, दीर्घकालिक निवेश के लिए सोना अब भी भरोसेमंद विकल्प बना हुआ है।

कैपिटल ग्रुप ने आईआईएफएल फाइनेंस में किया 374 करोड़ का निवेश

- खुले बाजार सौदों के जरिये फेयरफैक्स इंडिया की सहयोगी इकाई ने बेची 1.49 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

अमेरिकी वित्तीय सेवा कंपनी कैपिटल ग्रुप ने आईआईएफएल फाइनेंस में एक बड़ा निवेश किया है। कंपनी ने खुले बाजार सौदों के माध्यम से 374 करोड़ रुपये में 1.49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है, जिसे फेयरफैक्स इंडिया की सहयोगी इकाई ने बेचा है। एनएसई आंकड़ों के मुताबिक कैपिटल ग्रुप ने अपनी दो इकाइयों कैप वर्ल्ड फंड इंक और अमेरिकन फंड्स इंश्योरेंस सीरीज ग्लोबल स्मॉल कैपिटलाइजेशन फंड के जरिये आईआईएफएल फाइनेंस के कुल 63,39,355 शेयर औसतन 590 रुपये प्रति शेयर के भाव पर खरीदे। वहीं फेयरफैक्स इंडिया की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी एफआईएच मॉरीशस इन्वेस्टमेंट्स ने भी इतनी ही संख्या में शेयर बेचे। इस लेनदेन के बाद आईआईएफएल फाइनेंस में एफआईएच मॉरीशस इन्वेस्टमेंट्स की हिस्सेदारी 15.18 प्रतिशत से घटकर 13.69 प्रतिशत रह गई है। हालांकि, हिस्सेदारी बेचने के बाद भी, यह इकाई मुंबई स्थित इस गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) की सबसे बड़ी सार्वजनिक शेयरधारक बनी हुई है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरें स्थिर रखीं, बाजार की चिंता बढ़ी

- नए चेयरमैन वॉर्श ने छोड़ी अग्रिम अनुमान की परंपरा; निवेशक अब आर्थिक आंकड़ों पर केंद्रित

नई दिल्ली ।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने अपनी प्रमुख ब्याज दरों को बिना किसी बदलाव के 3.50 फीसदी से 3.75 फीसदी के लक्षित दायरे में बरकरार रखा है, लेकिन केंद्रीय बैंक के मिले-जुले संदेशों और नए चेयरमैन केविन वॉर्श द्वारा पारंपरिक अग्रिम मार्गदर्शन प्रथा को छोड़ने से ब्याज दरों पर अनिश्चितता पैदा हो गई है, जिससे बाजारों में अस्थिरता का जोखिम बढ़ गया है। फेड के इस फैसले का तीन सदस्यों ने विरोध किया, जिसे विश्लेषकों ने दरें बरकरार रखते हुए आक्रामक रुख माना है, जिससे भविष्य में ब्याज दरों में बढ़ोतरी की प्रबल संभावना है। नए चेयरमैन केविन वॉर्श ने अग्रिम अनुमान की परंपरा छोड़ दी है, जिससे निवेशक अब फेड के अगले कदम के संकेतों के लिए आर्थिक आंकड़ों को खंगाल रहे हैं।

कई जानकारों का मानना है कि इससे बाजार में तेजी से उतार-चढ़ाव हो सकता है। उपभोक्ता महंगाई दर (3.5 फीसदी) अभी भी फेड के 2 फीसदी लक्ष्य से काफी ऊपर है, जबकि अमेरिका-ईरान तनाव तेल की कीमतों पर दबाव बढ़ा रहा है। वॉर्श ने कीमतों पर दबाव बने रहने पर कार्रवाई की चेतावनी दी, पर तुरंत कदम उठाने का वादा नहीं किया। इस बीच, सितंबर में दरें बढ़ने की वायदा बाजार की संभावना पहले 77 फीसदी से घटकर 57 फीसदी रह गई। निवेशकों को वॉर्श से महंगाई नियंत्रण के लिए स्पष्ट रोडमैप की उम्मीद है।

आवाडा समूह ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए जुटाए 1.3 अरब डॉलर

- 2,150 मेगावॉट की परियोजनाओं को भारतीय बैंकों से मिली वित्तीय सहायता

नई दिल्ली ।

आवाडा समूह ने गुजरात और महाराष्ट्र में अपनी 2,150 मेगावॉट की महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 1.3 अरब डॉलर की बड़ी वित्तीय व्यवस्था सुनिश्चित कर ली है। कंपनी ने शुक्रवार को घोषणा की कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), आरईसी लिमिटेड और केनरा बैंक सहित प्रमुख भारतीय वित्तीय संस्थानों ने चार विशेष प्रयोजन इकाइयों (एसपीवी) के माध्यम से इस महत्वपूर्ण वित्तपोषण को मंजूरी दी है।

इन परियोजनाओं में 1,350 मेगावॉट की हाइब्रिड (सौर और पवन ऊर्जा) नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं और 800 मेगावॉट की यूटिलिटी-स्तरीय सौर ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं। इनका

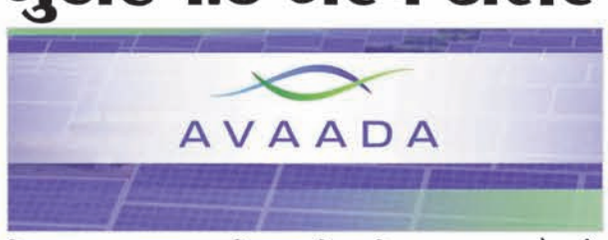

विकास महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (एमएसईडीसीएल) और गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) जैसी प्रमुख राज्य बिजली वितरण कंपनियों के लिए किया जा रहा है। ये परियोजनाएं गुजरात और महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर कुल 3,000 मेगावॉट से अधिक सौर ऊर्जा और 450 मेगावॉट पवन ऊर्जा क्षमता विकसित करेंगी।

पत्नी और तीन बेटों की हत्या पर पति को फांसी, 2 लाख जुर्माना भी

कुशीनगर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर में एक जघन्य हत्याकांड के दोषी को अपर सत्र न्यायाधीश परमेश्वर प्रसाद की अदालत ने मौत की सजा सुनाई है। अदालत ने पत्नी और तीन मासूम बेटों की गला रेतकर निर्मम हत्या करने वाले जितेंद्र कुशवाहा को फांसी की सजा के साथ-साथ दो लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। यह वीभत्स घटना 26 अगस्त, 2021 को कसया थाना क्षेत्र के कुड़वा दिलीप नगर के गुरमिया गोपाल टोला में घटी थी। दोषी जितेंद्र कुशवाहा ने अपनी पत्नी लीलावती और बेटों आकाश (8), विकास (6) व रिंकू (4) का धारदार हथियार (सब्जी काटने वाला पहसुल) से गला रेतकर हत्या कर दी थी। घटना की जानकारी मृतक लीलावती के पिता रामजीत कुशवाहा ने पुलिस को दी थी, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था और धारदार हथियार भी बरामद किया गया था। जिला शासकीय अधिवक्ता (फौजदारी) ने बताया कि इस मामले में कुल 12 गवाहों की गवाही हुई। सभी साक्ष्यों और गवाहों के बयानों के आधार पर अदालत ने जितेंद्र कुशवाहा को दोषी करार दिया।

कर्नाटक के मंत्री ने भाजपा विधायक को सुना दी खरी-खरी, राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणी पर मचा घमासान

चैन्नई (एजेंसी)। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री यूटी खादर ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ भाजपा विधायक यशपाल सुवर्ण की कथित विवादित टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि उडुपी के विधायक के पास कांग्रेस नेता पर इस तरह की टिप्पणी करने की कोई नैतिक या राजनीतिक साख नहीं है। खादर ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अपमानजनक बयान तटीय कर्नाटक की समृद्ध सांस्कृतिक और राजनीतिक परंपरा को नहीं दर्शाते। उन्होंने इसे क्षेत्र की लोकतांत्रिक चर्चा पर एक ''काला धब्बा बताया और कहा कि जनप्रतिनिधियों को अपने बयानों में गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों का ध्यान रखना चाहिए। यह विवाद मंगलवार को उडुपी में आयोजित भाजपा के विरोध प्रदर्शन के दौरान सामने आया, जहां यशपाल सुवर्ण ने राजनीतिक मुद्दों को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा था। उनकी टिप्पणियों के बाद कांग्रेस की ओर से आपत्ति जताई गई। यूटी खादर ने कहा कि तटीय कर्नाटक में लंबे समय से राजनीतिक मतभेदों के बावजूद एक-दूसरे के प्रति सम्मान बनाए रखने की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत हमले लोकतांत्रिक व्यवस्था और निर्वाचित प्रतिनिधियों के प्रति जनता के भरोसे को कमजोर करते हैं। उन्होंने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे नीतियों और मुद्दों पर बहस करें, लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणियों से बचें। खादर ने कहा कि लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन उसे सम्मानजनक भाषा और स्वस्थ संवाद के जरिए व्यक्त किया जाना चाहिए।

19 साल बाद कोलकाता लौटेंगी तसलीमा नसरीन

कोलकाता (एजेंसी)। करीब 19 साल के लंबे इंतजार के बाद बांग्लादेशी लेखिका तसलीम नसरीन एक बार फिर कोलकाता लौट रही हैं। अपनी चर्चित किताब 'द्विखंडितो' को लेकर हुए विरोध और विवाद के बाद वर्ष 2007 में उन्हें कोलकाता छोड़ना पड़ा था। अब 1 अगस्त को वह शहर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल होंगी, जिसे वह कभी अपना दूसरा घर मानती थीं। वापसी को लेकर तसलीम नसरीन ने कहा कि उन्हें ऐसा महसूस हो रहा है जैसे वह अपने ही देश लौट रही हैं। उनके अनुसार, बंगाल उनके लिए कभी सीमाओं या कंटीले तारों में बंटा हुआ नहीं रहा। पूर्वी बंगाल का हिस्सा भले ही उनके लिए बंद हो गया हो, लेकिन पश्चिम बंगाल आज भी उनके लिए अपना घर है।

तसलीम नसरीन ने कहा कि उन्होंने अपनी इच्छा से कोलकाता नहीं छोड़ा था, बल्कि परिस्थितियों के कारण उन्हें शहर छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि कोलकाता केवल रहने की जगह नहीं थी, बल्कि वहां उनके दोस्त, पाठक और अपनापन था। उनके मुताबिक, उनसे जीवन के 19 महत्वपूर्ण साल छिन गए, जिनकी भरपाई संभव नहीं है। लेखिका ने अपनी वापसी को अभिव्यक्ति की आजादी की जीत बताया। उन्होंने कहा कि धमकियां और कट्टरपंथी विरोध किसी लेखक को जगह छोड़ने के लिए मजबूर कर सकते हैं, लेकिन उसके विचारों को खत्म नहीं कर सकते। उन्होंने लेखकों के सामने मौजूद मौजूदा चुनौतियों पर भी बात की। तसलीम नसरीन ने कहा कि तकनीक ने जहां विचार व्यक्त करने के नए रास्ते खोले हैं, वहीं ऑनलाइन ट्रोलिंग और संगठित विरोध के जरिए लेखकों को डराने के तरीके भी बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि धर्म और परंपरा के नाम पर महिलाओं की स्वतंत्रता को सीमित करने की कोशिश आज भी जारी है। हालांकि, उन्होंने युवा पीढ़ी और महिलाओं में बढ़ती सवाल करने की प्रवृत्ति को बदलाव की उम्मीद बताया। उनका कहना है कि सामाजिक परिवर्तन विरोध और बहस के जरिए ही आगे बढ़ता है। नई पीढ़ी और नए लेखकों को संदेश देते हुए तसलीम नसरीन ने कहा कि हर मुद्दे पर सवाल करना चाहिए, चाहे वह धर्म, सत्ता, राजनीति या परंपरा से जुड़ा हो। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे दूसरों के पूर्वाग्रहों को अपनी सोच का आधार न बनाएं। तसलीम नसरीन को उम्मीद है कि उनका कोलकाता दौरा केवल एक कार्यक्रम तक सीमित नहीं रहेगा और वह भविष्य में इस शहर में बिना किसी डर के आ-जा सकेंगी।

बांका में श्रावणी मेले का हुआ आगाज, कांवड़िया पथ पर उमड़ा जन सैलाब

पटना(एजेंसी)। बिहार के बांका में श्रावणी मेले का आगाज हो चुका है। सावन की शुरुआत के साथ ही कांवड़िया पथ पर बोलबम और हर-हर महादेव के जयघोष लग रहे हैं। श्रावणी मेला को लेकर जिला प्रशासन की ओर से कांवरिया पथ पर व्यापक तैयारियां की गई है। मेला शुरू होते ही सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी ड्यूटी पर सक्रिय हो गए। जिला सीमा स्थित बदुआ नदी तट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है। वॉच टावर से निगरानी की जा रही है, जबकि भ्रमणशील पुलिस दस्ता भी पूरे कांवरिया पथ पर गश्त कर रहा है। पर्यटन विभाग एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा स्थापित सूचना केंद्रों ने भी काम करना शुरू कर दिया है, जहां श्रद्धालुओं को जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। पीएचईडी विभाग की ओर से बनाए गए शौचालय और स्नानागार श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए खोल दिए गए हैं। जोरीपार और शिवलोक में भी प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित होती दिखीं। जिलेबिया मोड़ स्थित उपनियंत्रण कक्ष ने भी कार्य शुरू कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग का चिकित्सा शिविर भी चालू हो गया है, जहां श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार और उपलब्ध कराया जा रहा है। सावन माह का पहला दिन होने के कारण गुरुवार दोपहर तक कांवड़िया पथ पर भीड़ अपेक्षाकृत कम रही, लेकिन शाम तक श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने लगी।

तीस्ता विवाद पर भारत की नई कूटनीति हो रही सफल !

भारत से छीनकर चीन को दिया था तीस्ता प्रोजेक्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और बांग्लादेश के बीच लंबे समय से लंबित तीस्ता रिवर प्रोजेक्ट को लेकर कूटनीतिक गलियारों में एक बड़ा सकारात्मक अपडेट सामने आया है। ढाका में भारत के उच्चायुक्त दिनेश त्रिवेदी ने इस संवेदनशील विवाद को सुलझाने के लिए बातचीत का एक नया रास्ता निकाला है। यह पहल ऐसे समय में हुई है जब बांग्लादेश में तीस्ता प्रोजेक्ट भारत के हाथ से फिसलकर चीन की झोली में जाने की चर्चाएं जोरों पर थीं, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ रहा था। बुधवार को ढाका में बांग्लादेश के नए विदेश मंत्री डॉ. खलीलुर रहमान के साथ हुई दिनेश त्रिवेदी की हाई-प्रोफाइल बैठक के बाद जारी बयान ने चीन से लेकर बांग्लादेश तक हलचल तेज कर दी है। इस मुलाकात का सबसे बड़ा केंद्र तीस्ता नदी प्रोजेक्ट और गंगा जल संधि जैसे संवेदनशील विवाद रहे। पत्रकारों द्वारा भारत से छिनते दिख रहे तीस्ता प्रोजेक्ट और गंगा जल संधि के नवीनीकरण जैसे लंबित मुद्दों पर सवाल पूछे जाने पर भारतीय उच्चायुक्त ने बहुत सहजता से स्थिति को संभाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह मुलाकात

भले ही मुख्य रूप से एक शिष्टाचार भेंट थी, लेकिन भारत और बांग्लादेश के बीच ऐसा कोई भी मसला नहीं है जिसे दोनों देश आपस में बैठकर बातचीत से हल न कर सकें। त्रिवेदी ने स्पष्ट किया कि आखिरकार बात दोनों देशों के लोगों की है। जो भी दोनों लोकतंत्रों और उनके नागरिकों के हित में होगा, उसे ही प्राथमिकता दी जाएगी। उनके इस बयान से साफ संकेत मिलता है कि तीस्ता प्रोजेक्ट को लेकर भारत ने बातचीत का एक नया रास्ता खोल दिया है, जिससे बांग्लादेशी हुकूमत और कूटनीतिक हलकों में नई हलचल शुरू हो गई है।

भारतीय उच्चायुक्त ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात का अपडेट देते हुए लिखा कि उन्होंने बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान से शिष्टाचार मुलाकात की और उन्हें आश्वस्त किया कि भारत पारस्परिक हितों एवं आपसी लाभ पर आधारित एक सकारात्मक, रचनात्मक और भविष्योन्मुख द्विपक्षीय साझेदारी के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने दोनों देशों के बीच लोगों से जुड़े सहयोग को सभी क्षेत्रों में और गहरा करने पर भी जोर दिया। इसके अतिरिक्त, उच्चायुक्त ने बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद चिनॉय से भी मुलाकात की, जहां भारत-बांग्लादेश द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। दोनों मंत्रियों से अलग-अलग मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, मैं हर चीज को सकारात्मक नजरिए से देख रहा हूं। हमारी बेहद सकारात्मक और सार्थक बैठक हुई।

पप्पू यादव पुजारी के वेश में दानपेटी लेकर पहुंचे संसद, राहुल गांधी समेत विपक्षी सांसदों ने डाला चंदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के 10वें दिन शुक्रवार को राम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी के मुद्दे को लेकर विपक्षी दलों ने संसद परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पुजारी के वेश में हाथ में दानपेटी लेकर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन का प्रतीकात्मक नेतृत्व किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित विपक्ष के कई सांसदों ने दानपेटी में चंदा डालकर इस मुद्दे पर सरकार से जवाबदेही की मांग की। प्रदर्शन के दौरान विपक्षी सांसदों ने हाथों में बैनर और तख्तियां भी थाम रखी थीं। एक प्रमुख बैनर पर लिखा था, अमित शाह संसद से गायब क्यों? विपक्ष ने इस मुद्दे पर सरकार से जवाब देने और कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई। सांसदों ने आरोप लगाया कि धार्मिक आस्था से जुड़े इस मामले में पारदर्शिता सुनिश्चित की जानी चाहिए। मानसून सत्र के दौरान विभिन्न राजनीतिक और सार्वजनिक महत्व के मुद्दों को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच लगातार टकराव देखने को मिल रहा है। राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर शुक्रवार का प्रदर्शन भी इसी राजनीतिक गतिरोध का हिस्सा रहा, जिससे संसद की कार्यवाही भी एक बार फिर बाधित हुई है।

मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनने में सीजेआई की भूमिका क्यों नहीं?

-सुप्रीम कोर्ट ने किए तीखे सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं। अदालत ने कहा कि चुनाव आयोग केवल स्वतंत्र रूप से काम करे, इतना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी स्वतंत्रता जनता को स्पष्ट रूप से दिखाई भी देनी चाहिए। इसी संदर्भ में कोर्ट ने केंद्र सरकार से पूछा कि जब सीबीआई निदेशक और लोकपाल के चयन पैनल में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को शामिल किया जाता है, तो चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति समिति से उन्हें बाहर रखने का आधार क्या है।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने केंद्र सरकार की उस मांग पर फैसला सुरक्षित रख लिया है, जिसमें मामले को बड़ी संविधान पीठ के पास भेजने का अनुरोध किया गया है। अदालत 2023 के उस कानून की संवैधानिक वैधता पर सुनवाई कर रही है, जिसके तहत मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा एक चयन समिति की सिफारिश पर की जाती है। इस समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री शामिल हैं।

सुनवाई के दौरान अदालत ने याद दिलाया कि वर्ष 2023 में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अंतरिम व्यवस्था के तौर पर निर्देश दिया था कि संसद कानून बनने तक नियुक्तियां प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश और विपक्ष के नेता की समिति की सिफारिश पर हों। बाद में संसद ने नया कानून बनाकर मुख्य न्यायाधीश की जगह एक केंद्रीय मंत्री को चयन समिति में शामिल कर दिया।

केंद्र सरकार की ओर से अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा कि संसद के विधायी विवेक पर सवाल उठाना उचित नहीं है। उनका तर्क था कि किसी अन्य मॉडल की संभावना मात्र से संसद के बनाए कानून को गलत नहीं ठहराया जा सकता। सरकार ने यह भी कहा कि कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका तीनों संविधान के स्वतंत्र अंग हैं और एक-दूसरे के अधिकार क्षेत्र का सम्मान किया जाना चाहिए। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्णयों पर लोकतांत्रिक व्यवस्था में भरोसा किया जाना चाहिए और यह मानकर नहीं चला जा सकता कि सरकार निष्पक्षता से काम नहीं करेगी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि मामला प्रधानमंत्री पर अविश्वास का नहीं, बल्कि संस्थागत निष्पक्षता का है। अदालत ने कहा कि जैसे न्याय केवल होना ही नहीं चाहिए बल्कि होता हुआ भी दिखाई देना चाहिए, उसी प्रकार चुनाव आयोग की नियुक्ति प्रक्रिया भी पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी दिखनी चाहिए।

तृणमूल के बागी सांसदों की बैठक से तीन सांसदों ने बनाई दूरी

वापसी की अटकलों के बीच सियासत तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र के बीच राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित सांसदों की बैठक, जिसे मंगल मिलन नाम दिया गया था, अब राजनीतिक चर्चा का केंद्र बन गई है। इस बैठक में तृणमूल कांग्रेस से अलग होकर नया मोर्चा बनाने वाले बागी सांसदों को भी आमंत्रित किया गया था। अधिकांश बागी सांसद बैठक में पहुंचे, लेकिन तीन सांसदों की अनुपस्थिति ने नए राजनीतिक संकेतों को जन्म दे दिया।

जानकारी के अनुसार, बैठक से दूरी बनाने वालों में यूसुफ पठान, अबू ताहेर खान और खलीलुर रहमान शामिल हैं। ये तीनों सांसद उस दिन संसद में मौजूद थे, लेकिन एनडीए की बैठक में शामिल नहीं हुए। उनकी गैरमौजूदगी की पुष्टि केंद्रीय राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार ने भी की। इसके बाद इन सांसदों की राजनीतिक रणनीति और भविष्य को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

इस घटनाक्रम पर तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सौगत रॉय ने दावा किया कि ये तीनों सांसद एनडीए की विचारधारा से सहज नहीं हैं और पार्टी

में वापसी का रास्ता तलाश रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि वे तृणमूल कांग्रेस में लौटना चाहते हैं तो औपचारिक आवेदन दे सकते हैं, जिसके बाद पार्टी नेतृत्व इस पर विचार करेगा। रॉय ने यह भी कहा कि ये सांसद स्वतंत्र और धर्मनिरपेक्ष सोच रखते हैं तथा एनडीए के साथ उनका वैचारिक मेल नहीं बैठता। दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस ने अपने बागी सांसदों के खिलाफ कार्रवाई की मांग और तेज कर दी है। पार्टी ने लोकसभा अध्यक्ष से दल-बदल विरोधी कानून के तहत बागी सांसदों को तत्काल अयोग्य घोषित करने की मांग की है। तृणमूल का आरोप है कि केंद्र सरकार सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर पार्टी में विभाजन कराने का प्रयास कर रही है।

इसी मुद्दे को लेकर संसद परिसर में तृणमूल के निलंबित सांसद कल्याण बनर्जी ने सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने गले में 20 गद्दार लिखा पोस्टर पहनकर बागी सांसदों के खिलाफ नाराजगी जताई और उन्हें तत्काल अयोग्य घोषित करने की मांग दोहराई। उधर, कोलकाता में तृणमूल नेता कुणाल घोष ने भी भाजपा और लोकसभा अध्यक्ष पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि संवैधानिक संस्थाओं और केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर तृणमूल कांग्रेस को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी के टिकट पर चुने गए और बाद में अलग होकर नए समूह में शामिल हुए 20 सांसदों के खिलाफ दल-बदल कानून के तहत तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए।

तीन सांसदों की बैठक से गैरहाजिरी और तृणमूल की ओर से वापसी के संकेतों ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। अब सभी की नजर इस बात पर है कि ये सांसद आगे किस राजनीतिक राह का चयन करते हैं और दल-बदल कानून के तहत लंबित कार्रवाई पर क्या फैसला होता है।

सीजेपी का तंज कहा- कंगना ही नहीं सभी को होना चाहिए स्टूडेंट ऑफ लाइफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद भवन में प्रदर्शनकारियों पर टिप्पणी को लेकर बीजेपी सांसद कंगना रनौत और कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रवक्ता सौरव दास के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। कंगना की ओर से सौरव दास की छात्र होने की स्थिति पर सवाल उठाए जाने के बाद अब दास ने पलटवार करते हुए उन्हें सीखने की सलाह दी है। सौरव दास ने कहा कि वह छात्र नहीं बल्कि पत्रकार हैं और उन्होंने कभी खुद को छात्र नहीं बताया। उन्होंने कहा कि वह 'स्टूडेंट ऑफ लाइफ हैं और हर व्यक्ति को जीवनभर सीखते रहना चाहिए। दास ने कंगना पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें भी यह समझना चाहिए कि उम्र बढ़ने से समझदारी नहीं आती, बल्कि सीखने की इच्छा से आती है। दास ने कहा, मैं पत्रकार हूं और मैंने कभी छात्र होने का दावा नहीं किया। मैं स्टूडेंट ऑफ लाइफ हूं। हर व्यक्ति को ऐसा होना चाहिए, क्योंकि लगातार सीखने से ही सोच और समझ विकसित होती है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी व्यक्ति की उम्र अधिक होने के बावजूद अगर वह नई चीजें सीखना बंद कर देता है तो उसकी समझ सीमित रह जाती है। दरअसल, विवाद तब शुरू हुआ जब कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए सौरव दास की उम्र और छात्र होने के दावे पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि इंटरनेट पर जानकारी के मुताबिक दास 28 वर्ष के हैं और फिर भी खुद को छात्र बताते हैं, जो समझ से परे है। कंगना ने अपने सार्वजनिक जीवन का जिक्र करते हुए कहा था कि वह कम उम्र से ही काम कर रही हैं और उन्हें अपने करियर की उपलब्धियों पर गर्व है। कंगना ने दास को बेरोजगार बताते हुए उन्हें कोई कौशल सीखने और कमाई पर ध्यान देने की सलाह भी दी थी। इसके जवाब में दास ने कहा कि कंगना को उनकी ही पार्टी में गंभीरता से नहीं लिया जाता और नई पीढ़ी भी उनकी बातों को महत्व नहीं देती। इससे पहले कंगना ने संसद में सीजेपी के प्रदर्शन को लेकर टिप्पणी करते हुए प्रदर्शन में शामिल युवतियों पर आपत्तिजनक आरोप लगाए थे। इसके बाद सीजेपी और कंगना के बीच राजनीतिक और व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया।

पेपर लीक पर नया कानून और सख्त: परीक्षा माफिया पर शिकंजा कसने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और संगठित नकल के बढ़ते मामलों पर अंकुश लगाने के मकसद से केंद्र की मोदी सरकार ने सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 को लोकसभा से पारित कराया है। यह विधेयक 2024 के एंटी-पेपर लीक कानून को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए लाया गया है। केंद्र सरकार का मानना है कि नए प्रावधान परीक्षा माफिया पर कड़ी कार्रवाई, समयबद्ध जांच और दोषियों को शीघ्र सजा सुनिश्चित करने वाले है। जिससे सार्वजनिक परीक्षा प्रणाली में विश्वास बहाल होगा।

संशोधन के तहत, पेपर लीक या अन्य अनुचित साधनों में शामिल व्यक्तियों के लिए सजा को तीन से पांच वर्ष के बजाय अब पांच से 10 वर्ष तक बढ़ाया गया है। अधिकतम जुर्माना भी 10 लाख से बढ़ाकर 50 लाख रुपये किया है। वहीं, यदि परीक्षा आयोजित कराने वाली एजेंसी, आईटी कंपनी, प्रिंटिंग एजेंसी या अन्य सेवा प्रदाता धोखाधड़ी में शामिल होते हैं, तब उन पर पांच करोड़ रुपये तक का भारी जुर्माना लगाया जा सकेगा। संगठित परीक्षा माफिया के खिलाफ भी कानून को अधिक कठोर किया गया है। इसतरह के

मामलों में न्यूनतम सजा अब सात वर्ष और जुर्माना बढ़ाकर 10 करोड़ रुपये किया गया है। दोषी पाए जाने वाले सेवा प्रदाताओं को आठ वर्ष तक किसी भी सार्वजनिक परीक्षा से जुड़े कार्य से प्रतिबंधित रखा जा सकेगा, जिससे उन्हें भविष्य में इसतरह के कृत्यों से रोका जा सके।

जांच प्रक्रिया को समयबद्ध और अधिक कुशल बनाने का लक्ष्य तय किया गया है। पेपर लीक से जुड़े मामलों की जांच दो माह के भीतर पूरी करने तथा आरोपपत्र दाखिल होने के बाद तीन माह के भीतर मुकदमे के निपटारे का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए प्रत्येक राज्य और केंद्रशासित प्रदेश में विशेष फास्ट-ट्रैक अदालतें नामित की जाएंगी। आवश्यकता पड़ने पर केंद्र सरकार विशेष जांच दल (एसटीएफ) का गठन भी कर सकेगी। यह कानून यूपीएससी, एसएससी, रेलवे भर्ती बोर्ड, आईबीपीएस तथा एनटीए द्वारा आयोजित नीट, जेईई, सीयूईटी सहित केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित सभी प्रमुख सार्वजनिक परीक्षाओं पर लागू होगा। विशेषज्ञों का मानना है कि कानून का प्रभावी क्रियान्वयन ही तय करेगा कि यह पेपर लीक और परीक्षा माफिया पर कितनी प्रभावी रोक लगा पाता है।

शिंदे की सेना के नेता हो रहे दीपके के फैन, होने लगी मुलाकात

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल शिवसेना के विधान परिषद सदस्य बच्चु कडू ने गुरुवार को छत्रपति संभाजीनगर में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके से मुलाकात की। कडू ने स्पष्ट किया कि यह मुलाकात निजी तौर पर हुई है और इसका उनकी पार्टी या सरकार से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने खुद को एक आंदोलनकारी बताते हुए कहा कि वह दूसरे आंदोलनकारी से मिलने आए हैं। कडू ने कहा कि जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने और छात्रों के मुद्दों को उठाने के लिए अभिजीत दीपके की सराहना की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना किसी भी व्यक्ति का लोकतांत्रिक अधिकार है और आंदोलन करना कोई अपराध नहीं है।

दीपके को मिल रही कथित धमकियों पर प्रतिक्रिया देते हुए कडू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को उन लोगों से बातचीत करनी चाहिए जो धमकियां दे रहे हैं और गलत व्यवहार कर रहे

हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी आंदोलन को दबाने के बजाय उसकी बात सुनी जानी चाहिए।

इससे पहले महाराष्ट्र सरकार में मंत्री संजय शिरसाट भी अभिजीत दीपके से मुलाकात कर चुके हैं। उन्होंने दीपके के लिए सुरक्षा की मांग उठाई थी। शिरसाट छत्रपति संभाजीनगर के वालुज एमआईडीसी क्षेत्र में दीपके के परिवार से मिलने पहुंचे थे। उन्होंने कहा था कि हर माता-पिता की तरह दीपके के परिवार को भी उसकी सुरक्षा की चिंता है।

शिरसाट ने कहा था कि अभिजीत दीपके ने एक नई पहल शुरू की है और उनके प्रयासों पर उन्हें गर्व है। उन्होंने कहा कि दीपके के महाराष्ट्र लौटने पर सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से चर्चा की जाएगी। मंत्री ने यह भी बताया था कि उन्होंने पहले परिवार से मुलाकात इसलिए नहीं की थी, क्योंकि इसे राजनीतिक रंग दिया जा सकता था। दीपके ने बोस्टन विश्वविद्यालय से जनसंपर्क विषय की पढ़ाई की है। शिरसाट के अनुसार, उन्हें अमेरिका में नौकरी का अवसर भी मिला था, लेकिन उन्होंने छात्रों के लिए काम करने का रास्ता चुना। मंत्री ने कहा कि दीपके के माता-पिता चाहते थे कि वह नौकरी करें, लेकिन उन्होंने सामाजिक मुद्दों को प्राथमिकता दी।

शिरसाट ने यह भी कहा कि दीपके का आंदोलन छात्रों की मांगें पूरी होने के बाद खत्म हो गया, लेकिन उनके प्रयास ने एक बड़े बदलाव की शुरुआत की। उन्होंने दावा किया कि दीपके का राजनीति से कोई संबंध नहीं है और उन्होंने आंदोलन का श्रेय लेने के बजाय समाज के समर्थन को महत्व दिया। इस बीच, कडू की मुलाकात के बाद मामले ने महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर चर्चा तेज कर दी है।

संसद में वंदे मातरम बिल पास होने के साथ जानें अपमान करने पर होगी कितनी सजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम (संशोधन) विधेयक, 2026 को दोनों सदनों ने पारित कर दिया। इस ऐतिहासिक विधेयक का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का जानबूझकर अपमान करने को राष्ट्रीय गान और अन्य राष्ट्रीय प्रतीकों के अपमान से जुड़े मौजूदा प्रावधानों के समान ही दंडनीय अपराध बनाना है।

सदन में तीखी बहस और विपक्ष के जोरदार हंगामे के बीच यह विधेयक दोनों सदन से पारित हुआ। इस नए कानून के लागू होने के बाद, यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर वंदे मातरम का अपमान करता है या इस गाने में बाधा डालता है, तब उस गंभीर परिणामों का सामना करना पड़ सकता है। इसमें तीन साल तक की जेल, जुर्माना, या दोनों की सजा का प्रावधान है। यह कदम राष्ट्रगान जन गण मन की तरह ही वंदे मातरम को भी कानूनी सुरक्षा देगा। विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष के सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी की मांग कर सदन से वॉकआउट कर दिया। सीपीआई(एम) के जॉन ब्रिटास और कांग्रेस के प्रमोद तिवारी सहित कई सदस्यों ने पॉइंट ऑफ़ ऑर्डर उठाने का प्रयास किया, लेकिन उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने सदन में व्यवस्था न होने का हवाला देकर इसकी अनुमति नहीं दी। आप के संजय सिंह ने विधेयक का विरोध करते हुए आरोप लगाया कि इस उस पार्टी द्वारा पेश किया गया है जिसके मूल संगठन ने कभी अपने मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया।

लेकिन गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने विपक्ष के विरोध का जवाब देकर कहा कि यह संशोधन केवल एक विधायी बदलाव नहीं है, बल्कि यह देश की आत्मा, राष्ट्रीय चेतना, सांस्कृतिक मूल्यों और स्वतंत्रता संग्राम के आदर्शों के प्रति भारत की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने वंदे मातरम के गहरे ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला, जिसमें 1875 में बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा इसकी रचना, 1896 के कांग्रेस अधिवेशन में रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा इसका गायन और सरला देवी चौधरानी द्वारा 1905 में इसका पूरा संस्करण प्रस्तुत करना शामिल है। राय ने 1937 में जवाहरलाल नेहरू द्वारा गीत को केवल दो छंदों तक सीमित करने के फैसले की आलोचना की और 1938 में सुभाष चंद्र बोस के इसके पूर्ण संगीत संयोजन को तैयार कराने के प्रयासों का भी जिक्र किया। राय ने सरदार वल्लभभाई पटेल की पहल पर 1947 में स्वतंत्रता दिवस पर ऑल इंडिया रेडियो पर प्रसारित पूरे गीत और 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा में डॉ. राजेंद्र प्रसाद के उस बयान का भी उल्लेख किया, जिसमें वंदे मातरम और राष्ट्रगान को समान दर्जा दिया गया था। उन्होंने कहा कि बिल का विरोध करना राष्ट्रीय नेताओं के विचारों को नजरअंदाज करने और तुष्टीकरण की राजनीति के समान है। मोदी सरकार में मंत्री ने चंद्रशेखर आज़ाद, राम प्रसाद बिस्मिल और अशफ़ाकुल्लाह खान जैसे स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद किया, जिन्होंने अपने अंतिम क्षणों में वंदे मातरम का नारा लगाया था। राय ने तर्क दिया कि गीत का विरोध करने से उन लोगों का मनोबल बढ़ता है जो भारत के टुकड़े करने

के नारे लगाते हैं। उन्होंने बिल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक भारत, श्रेष्ठ भारत के विजन से जोड़ते हुए राजनीति से ऊपर उठकर उठाया गया कदम बताया, जो भारतीय लोगों की भावनाओं को दर्शाता है। तीखी बहस और विपक्ष के वॉकआउट के बाद, विधेयक को दोनों सदनों ने पारित कर दिया।